राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 62 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,02 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

नए जीवंत भारत के भविष्योन्मुखी निर्माण करने की दिशा में हमें एकजुट होकर काम करना होगा: मंत्री हरदीप पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) की 40वीं बैठक आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता आवास एवं शहरी कार्य तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने की और इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तर प्रदेश के खादी और ग्रामोद्योग मंत्री, कपड़ा, एमएसएमई और एनआरआई विभाग, सिद्धार्थनाथ सिंह;राजस्थान के शहरी विकास मंत्री शांति कुमार धारीवाल;राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन ने भाग लिया। इनके अलावा, सचिव (एचयूए), भारत सरकार, मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार; सदस्य सचिव, एनसीआरपीबी तथा केंद्र सरकार और एनसीआर राज्यों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए एनसीआरपीबी के अध्यक्ष हरदीप सिंह पुरी ने कहा किदेश में अंतर-राज्य और अंतर-एजेंसी समन्वय तथा क्षेत्रीय विकास के विलक्षण उदाहरण एनसीआर योजना बोर्ड ने बीते वर्षों में प्रशंसनीय कार्य किया है। उन्होंने पूर्वी और पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ और दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी कॉम्प्लेक्स के आरआरटीएस गलियारों के संदर्भ में क्षेत्रीय योजना के उन्नतिशील परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि एनसीआर में बढ़ते शहरीकरण के स्तरों के कारण इसकी जरूरतों और चुनौतियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। तदनुसार, केंद्रीय मंत्री ने एनसीआर राज्यों से एनसीआरपीबी की योजनाओं की सिफारिशों को अपनाने और लागू करने तथा इस उद्देश्य के लिए बहुत ही आकर्षक दरों पर उपलब्ध इसकी वित्तीय सहायता देने वाली व्यवस्था (यानी फंडिंग विंडो) का उपयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे एनसीआर के सभी क्षेत्रों की त्वरित प्रगति और विकास करने में मदद मिलेगी। श्री पुरी ने कहा कि उभरती विश्व शक्ति, नए जीवंत भारत के भविष्योन्मुखी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की परिकल्पना और निर्माण करने की दिशा में हम एकजुट होकर काम करेंगे, जो नागरिक केंद्रित अवसंरचना से युक्त है, जो सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)को हासिल करने के अनुरूप आर्थिक रूप से समृद्ध क्षेत्र के निर्माण की दिशा में सामंजस्यपूर्ण, पर्यावरण के अनुकूल, स्मार्ट-डिजिटल प्रौद्योगिकी से संचालित है।

स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार से अर्थव्यवस्था के फिर से मजबूत होने का भरोसा पैदा होगा: वित्तमंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में समग्र सुधार से इन्फ्रास्ट्रक्चर में लोगों का भरोसा पैदा करने में मदद मिलेगी और अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत करने में भी सहयोग होगा। वित्त मंत्री ने आज यहां 'नए भारत के लिए हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण' पर वेबिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने भी वेबिनार में हिस्सा लिया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि देश को न केवल अल्पकालिक चुनौतियों का समाधान करना है बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था के वापस मजबूत स्थिति में लौटने के सामर्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास को भी सुनिश्चित करना है, जो इन दोहरे उद्देश्यों को हासिल करने की कुंजी है। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएएस, जिसे सरकार ने उद्योग में बड़े विश्वास के साथ शुरू किया है) पर चर्चा में उद्योग के हितधारकों का शामिल होना बहुत उत्साहजनक है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर ने हमारे चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने और उसे मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है जिससे हम इस तरह के किसी भी स्वास्थ्य संकट से मजबूती से निपट सकें। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी की संभावित तीसरी लहर के बीच सरकार महामारी से प्रभावित रिकवरी को पहले की स्थिति में ला रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार टीकाकरण बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है क्योंकि यही कोविड-19 के खिलाफ एकमात्र पक्की सुरक्षा है।

खबर एक नजर

राष्ट्रपति पांच सिंतबर को तीन दिवसीय दौरे पर गोवा आएंगे

पणजी, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पांच सिंतबर को तीन दिवसीय दौरे पर गोवा आएंगे। गोवा के सूचना विभाग ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सूचना विभाग ने कहा राष्ट्रपति कोविंद छह सितम्बर को 'आईएनएस हंसा' के हीरक जयंती समारोह के अवसर पर नौसेना के उड्डयन प्रभाग के 'प्रेसिडेंट्स कलर' कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। आईएनएस हंसा' नौसैनिक अड्डा वास्को शहर में स्थित है, जो पणजी से करीब 40 किलोमीटर दूर है।

पीएम मोदी और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के बीच बातचीत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान के ताजा घटनाक्रमों और क्षेत्र तथा दुनिया पर इसके प्रभावों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए भीषण आतंकी हमले की कड़ी निंदा की जिसमें कई लोग मारे गए थे। उन्होंने एक स्थिर और सुरक्षित अफगानिस्तान के महत्व पर जोर दिया और इस संदर्भ में भारत और यूरोपीय संघ की संभावित भूमिका पर भी चर्चा की। दोनों नेता द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों, खासतौर से अफगानिस्तान की स्थिति पर संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

केंद्र सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र के भाई-बहनों के साथ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी: मंत्री जी .किशन रेड्डी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी.किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों, कृषि मंत्रियों, मुख्य सचिवों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वर्चुअल बैठक की। यह बैठक मुख्य रूप से उत्तर पूर्व में कृषि के विकास के साथ बागवानी, पाम ऑयल, जैविक खेती और बांस के विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर देने को लेकर केंद्रित था। बैठक का उद्देश्य कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करना था जैसे कि हाल ही में खाद्य तेलों पर शुरू की गई राष्ट्रीय मिशन, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बांस विकास योजना, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए समग्र बागवानी विकास योजना और जैविक खेती की विकास योजना आदि। बैठक में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 10% सकल बजटीय समर्थन आवंटन की समीक्षा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास सचिव इंद्रजीत सिंह ने उद्घाटन भाषण दिया और 54 गैर-छूट वाले मंत्रालयों से पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 10% के सकल बजटीय समर्थन (जीबीएस) का बिना रुकावट उपयोग सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

तालिबान की सरकार बनाने की प्लानिंग पूरी बरादर के हाथों में होगी कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के एक दिन बाद ही तालिबान की सरकार बनाने की प्लानिंग पूरी हो गई है। तालिबान और अफगानिस्तान के अन्य नेताओं के बीच सरकार बनाने के फॉमूर्ले पर सहमति बन गई है। एक अधिकारी ने कहा कि तालिबान और अन्य अफगान नेता तालिबान के शीर्ष आध्यात्मिक नेता के नेतृत्व में एक नई सरकार और कैबिनेट के गठन पर 'आम सहमति' पर पहुंच गए हैं। इसके मुताबिक, मुल्ला बरादर जहां सरकार का मुख्य चेहरा होंगे, वहीं हैबतुल्लाह अखुंदजादा गवर्निंग काउंसिल के हेड होंगे। तालिबान के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य बिलाल करीमी ने बुधवार को कहा कि तालिबान के सुप्रीम कमांडर हैबतुल्लाह अखुंदजादा किसी भी गवर्निंग काउंसिल के शीर्ष नेता होंगे। करीमी ने कहा कि तालिबान के मुख्य पब्लिक फेस और अखुंदजादा के तीन डिप्टी में से एक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर नई सरकार का मुख्य चेहरा हो सकते हैं। यानी नई सरकार की कमान बरादर के हाथों में होगी और अखुंदजादा इसके सर्वेसर्वा होंगे। करीमी ने कहा कि इस्लामिक अमीरात (अफगानिस्तान का नया नाम) के नेताओं, पिछली सरकार के नेताओं और अन्य प्रभावशाली नेताओं के साथ एक समावेशी अफगान सरकार बनाने पर विचार-विमर्श का दौर आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया है। सरकार गठन को लेकर वे एक आम सहमति पर पहुंच गए हैं। हम एक कामकाजी कैबिनेट और सरकार की घोषणा हफ्तों में नहीं बल्कि कुछ ही दिनों में करने वाले हैं। माना जा रहा है कि तालिबान अपनी सरकार के बारे में कोई भी घोषणा करने से पहले अमेरिकी सैनिकों की पूर्ण वापसी की प्रतीक्षा कर रहा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने देने की शर्त पर कहा कि अखुंदजादा और बरादर जल्द ही काबुल में सार्वजनिक रूप से सामने आएंगे। बता दें कि अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी पूरी तरह से हो गई है और इस तरह से 19 साल, 10 महीने और 25 दिन बाद यानी करीब 20 साल बाद एक बार फिर अफगानिस्तान पर तालिबान का पूरी तरह से कब्जा हो गया है। बता दें कि अमेरिका ने 9/11 हमले के बाद करीब 7 अक्तूबर, 2001 से अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ अपना अभियान शुरू कर दिया था। जब अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया उस वक्त वहां पर तालिबान का ही शासन था। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान के बीच उत्साह का माहौल है। उनके सामने चुनौतियां भी काफी हैं, वे अब एक कार्यशील सरकार स्थापित करना चाहते हैं। अमेरिका द्वारा सहायता में कटौती और बढ़ती मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के बाद नए तालिबान के नेताओं को आर्थिक संकट से बचना होगा। इतना ही नहीं, अलग-अलग आतंकी संगठनों के साथ गृहयुद्ध से बचना होगा। बता दें कि अखुंदजादा वर्तमान में कंधार में हैं, जहां उन्होंने शीर्ष तालिबान और अन्य अफगान नेताओं के साथ तीन दिवसीय सम्मेलन का नेतृत्व किया।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण योजना और मास्टर प्लान से बुनियादी ढांचे का समग्र और एकीकृत विकास होगा: मंत्री गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय मुद्रीकरण कार्यक्रम डेवलपर्स व वित्तपोषण संस्थानों में विश्वसनीयता और विश्वास पैदा करेगा क्योंकि, चिह्नित की गई परियोजनाओं की सक्रिय परियोजना निगरानी, प्रबंधन और जवाबदेही होने के चलते इसके बेहतर ढंग से तैयार होने की संभावना होगी और इसमें जोखिम की आशंका कम होगी। गडकरी ने 'ट्रांसफॉर्मिंग इंडियाज मोबिलिटी' (भारत की गतिशीलता को बदलना) पर एक वर्चुअल संवाद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मुद्रीकरण योजना के तहत 4 वर्षों में 1.60 लाख करोड़ रुपये के साथ सड़कों की सबसे बड़ी हिस्सेदारी 26 फीसदी है। सरकार जल्द ही प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय मास्टर प्लान 'गति शक्ति' को शुरू करने जा रही है। समग्र और एकीकृत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक की यह योजना रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि इस साल सरकार ने बुनियादी ढांचे में पूंजीगत व्यय को पिछले साल के मुकाबले 34 फीसदी बढ़ाकर 5.54 लाख करोड़ रुपये कर दिया है, बुनियादी ढांचे में इस तरह का बढ़ा हुआ निवेश अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करेगा और निकट भविष्य में रोजगार पैदा करेगा। गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 5 वर्षों में भारत को एक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की एक सोच रखी है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ने से न केवल अर्थव्यवस्था में मांग पैदा होगी, बल्कि यह विकास को टिकाऊ, न्यायसंगत और समावेशी बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया है कि गुणक प्रभाव के कारण, बुनियादी ढांचे पर खर्च किया गया एक रुपया अर्थव्यवस्था में 2.5 रुपये पैदा करता है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सरकार ने देश में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास को अत्यधिक महत्व दिया है।

यूएनएससी के प्रस्ताव पारित करने पर हमारा खुद को बधाई देना जल्दबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्ताव पारित करने पर हमारा खुद को बधाई देना जल्दबाजी है।

उन्होंने आगाह किया कि चीन, पाकिस्तान और तालिबान के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान का संभावित गठजोड़ चिंता का विषय है।भारत की अध्यक्षता में यूएनएससी ने एक सुदृढ़ प्रस्ताव पारित किया।इसमें मांग की गई कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का इस्तेमाल किसी भी देश को धमकी देने या आतंकवादियों को पनाह देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

प्रस्ताव में उम्मीद की गई है कि तालिबान अफगानों और सभी विदेशी नागरिकों के देश से सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से जाने देने के संबंध में उसके द्वारा जाहिर की गई प्रतिबद्धताओं का पालन करेगा।इस पर प्रतिक्रिया देकर चिदंबरम ने कहा कि सरकार अफगानिस्तान पर यूएनएससी द्वारा पारित किए गए प्रस्ताव पर अपने आप को बधाई दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव के दो अर्थ हैं।पहला यह है कि मुद्दा 'हल' कर लिया गया है या भारत की संतुष्टि के लिए निपटा दिया गया है। यूएनएससी में यह नहीं हुआ। दूसरा अर्थ यह है कि हमने अपनी इच्छाओं को कागज पर लिख दिया है और उस कागज पर कुछ अन्य के हस्ताक्षर करा लिए हैं, यूएनएससी में कल यही हुआ।

सुरक्षा परिषद ने फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका प्रायोजित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी जिसके पक्ष में परिषद के 15 में से 13 सदस्यों ने वोट दिया जबकि विपक्ष में किसी ने भी नहीं। रूस और चीन जैसे सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों ने हालांकि मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया।

ड्रोन हमले से बचाएगा डीआरडीओ का एंटी-ड्रोन सिस्टम, नौसेना ने बीईएल से किया करार

नई दिल्ली, एजेंसी। काबुल में एक संदिग्ध आत्मघाती हमलावर को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी ड्रोन हमले के बाद से इस बात पर चर्चा तेज हो गई है कि भारत किसी भी तरह के ड्रोन हमले को लेकर कितना तैयार है। ड्रोन हमले के खतरे को भांपते हुए भारतीय नौसेना ने एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (बीईएल) से करार किया है।

उल्लेखनीय है कि लेजर तकनीक पर आधारित एंटी ड्रोन सिस्टम किसी भी देश के ड्रोन को जामकर उसे मार गिरा सकता है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि वह पूरी तरह से स्वदेशी एंटी-ड्रोन है और बहुत जल्द इसे सशस्त्र सेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक एंटी ड्रोन सिस्टम (एनएडीएस) डीआरडीओ की ओर से तैयार किया गया है और भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड इसे तैयार कर रहा है। अभी तक की जानकारी के मुताबिक इस सिस्टम को 'सॉफ्ट-किल' और 'हार्ड-किल' दोनों ही विकल्पों में तैयार किया जाएगा। बता दें कि इस सिस्टम की पहली झलक इस साल गणतंत्र दिवस के परेड में देखने को मिली थी।

रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा मंगलवार को बीईएल, डीआरडीओ और भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एंटी ड्रोन सिस्टम (एनएडीएस) को लेकर करार किया गया। बीईएल से हुए करार में कहा गया है कि इस सिस्टम को मोबइल वर्जन एक ट्रक में लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एनएडीएस किसी भी छोटे से छोटे ड्रोन को पता लगा सकता है और उसे वहीं पर जाम कर सकता है। इस सिस्टम को भारतीय नौसेना के सभी सामरिक महत्व के बेस पर तैनात किया जाएगा।

एनएडीएस सिस्टम को इस तरह की तकनीक से लैस किया गया है कि वह रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इंफ्रारेड सेंसर और रेडियो फ्रीक्वंसी की मदद से ड्रोन को डिटेक्ट कर उसे पूरी तरह से जाम कर सकता है। उल्लेखनीय है कि डीआरडी की ओर से तैयार किया गया आरएफ-ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) किसी भी ड्रोन को कंट्रोल करने वाली फ्रीक्वेंसी का पता लगाकर सिग्नल को जाम कर सकता है।

खादी को व्यापक रूप से स्वीकार करना वर्तमान समय की मांग: नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने आज देश के नागरिकों से खादी को 'राष्ट्रीय वस्त्र' के रूप में अपनाने की अपील की और इसके इस्तेमाल को व्यापक रूप से बढ़ावा देने का आग्रह किया। नायडु ने विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों से इसके लिए आगे आने तथा खादी के उपयोग को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति आज खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा मनाये जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत आयोजित 'खादी इंडिया क्विज प्रतियोगिता' के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। नायडू ने सभी से 'खादी इंडिया क्विज प्रतियोगिता' में भाग लेने का आग्रह करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता हमें अपनी जड़ों की ओर वापस ले जाने का एक रोचक माध्यम है, क्योंकि यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक क्षणों और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान का स्मरण कराती है।

उपराष्ट्रपति ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में आयोजित अधिकृत 'दांडी मार्च' के समापन समारोह में भाग लेने के लिए इस वर्ष 6 अप्रैल को अपनी दांडी यात्रा को याद किया।

उन्होंने कहा कि दांडी मार्च में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए उन्हें भारतीय इतिहास के गौरवमयी क्षणों को फिर से जीने का अवसर मिला और उन्होंने इसे 'एक बहुत ही समृद्ध अनुभव' कहकर संदर्भित किया। भारत के स्वाधीनता संग्राम को वीरता, बदलाव और निष्ठावान देशभक्ति की गाथा के रूप में वर्णित हुए उपराष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि किस तरह से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई में देश भर की जनता को प्रेरित किया।

यह देखते हुए कि सभी मतों और सभी वर्गों के पुरुषों एवं महिलाओं ने आजादी की लड़ाई में भाग लिया, नायडू ने कहा, 'यह वास्तव में मानव सभ्यता के इतिहास में एक अद्वितीय घटना थी'। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि मातंगिनी हाजरा, भगत सिंह, प्रीतिलता वाद्देदार, राजगुरु, सुखदेव और हजारों अन्य स्वाधीनता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के सार्वलौकिक स्वप्न को साकार करने के लिए अपने जीवन का बलिदान करने से पहले दो बार नहीं सोचा।

उन्होंने कहा, 'इन वीर पुरुषों और महिलाओं ने यह जानते हुए भी सर्वोच्च बलिदान दिया कि वे अपने सपने को हकीकत में बदलता देखने के लिए जीवित नहीं होंगे।'

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन, शिक्षा और आईटी के अलावा अन्य संभावनाओं को भी ये नीति आगे बढ़ाएगी: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जम्मू और कश्मीर के औद्योगिक विकास के लिए ह्यनई केंद्रीय क्षेत्र योजनाह्ल के तहत इकाइयों के पंजीकरण के लिए वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। अमित शाह ने कहा कि इस पोर्टल के शुभारंभ के साथ ही जम्मू-कश्मीर में निवेश और औद्योगिक विकास की एक नई सुबह की शुरूआत होगी। उन्होने कहा कि आज जम्मू कश्मीर में विकास के नए युग की शुरूआत हुई है और ये एक अलग, विकास और शांति के रास्ते पर चल चुका है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि धारा 370 और 35ए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में रोजगार और खुशहाली की एक नई शुरूआत होगी और उन्होंने जम्मू-कश्मीर की जनता से जो वादा किया था, उसे पूरा करने के लिए ये एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है। शाह ने कहा कि आज से लांच हुए इन्टरएक्टिव वेब पोर्टल से जम्मू-कश्मीर में 50,000 करोड़ रूपए से भी ज्यादा का निवेश आएगा और इसके तहत जम्मू-कश्मीर का सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी विकास होगा। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि इस पोर्टल में पहले से ही सभी शिकायतों को दूर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का औद्योगिक विकास, उसके लिए अच्छा वातावरण, और दुनिया के साथ स्पर्धा करने वाली नीति, ये मोदी सरकार का हॉलमार्क है। उन्होने कहा कि इसका फायदा जम्मू-कश्मीर तक नहीं पहुंचता था, यहां के युवाओं को रोजगार के लिए सरकारी उपक्रमों पर निर्भर रहना पड़ता था। इसमें सबसे बड़ी बाधा धारा 370 और 35ए थी, लेकिन 5 अगस्त को मोदी जी के नेतृत्व में धारा 370 और 35ए को निरस्त करने के बाद, एक खुला वातावरण बना, और रोजगार की ढेर सारी संभावनाएं जम्मू-कश्मीर के लिए बनीं। उन्होंने कहा कि देशभर के उद्योगपति भी चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर का विकास हो, यहां निवेश करके वो अपना तो फायदा करेंगे ही, साथ ही जम्मू-कश्मीर के विकास में योगदान भी देना चाहेंगे।

खबर एक नजर

इजराइल में फिर बढ़ा रहा कोरोना के डेल्टा स्वरूप का खतरा

यरुशलम, एजेंसी। इजराइली स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में कोरोना का डेल्टा स्वरूप फैलने से दैनिक मामलों ने नया रिकॉर्ड बनाया है। इजराइल में कोविड-19 के 10,947 नए मामले दर्ज हैं। सिर्फ दो दिन बाद ही स्कूल खुलने हैं,जिसमें 24 लाख छात्रों के जाने की संभावना है। देश में इस साल 18 जनवरी को संक्रमण के 10,118 नए मामले आए थे। इजराइल उन देशों में शामिल है, जहां सबसे तेजी से टीकाकरण हुआ था। देश में पात्र जनसंख्या को कोविड रोधी टीके की तीसरी वर्धक खुराक लग रही है। बंद स्थानों पर ही मास्क लगाने की अनिवार्यता है। हालांकि सरकार ने सुरक्षा उपायों को बेहतर तरीके से लागू करने का वादा किया है। देश की 93 लाख आबादी में से करीब 60 लाख लोगों को फाइजर के टीके की कम से कम एक खुराक लगा दी गई है। करीब 22 लाख लोगों को टीके की तीसरी खुराक भी लगा दी गई है।

अमेरिका ने यूक्रेन को छह करोड़ डॉलर की मदद का वादा किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के अपने समकक्ष व्लोदिमीर जेलेंस्की के साथ व्हाइट हाउस में होने वाली बैठक से पहले यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में छह करोड़ डॉलर देने का वादा किया है। बाइडन प्रशासन ने कांग्रेस को एक अधिसूचना में बताया कि यूक्रेन के लिए सहायता पैकेज 'उसकी सीमा पर रूसी सैन्य गतिविधि में बड़ी वृद्धि' और मोर्टार हमलों, संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन और उकसावे की अन्य कार्रवाइयों के कारण आवश्यक है। अधिसूचना में कहा गया, 'यूक्रेन की सीमा पर रूस के निर्माण ने यूक्रेनी सेना की रूस की घुसपैठ रोकने की क्षमता में कमी को उजागर किया है। रूसी खतरे से निपटने के लिए यूक्रेन की इन कमियों को दूर करने की तत्काल आवश्यकता है।' जेलेंस्की व्हाइट हाउस में बाइडन से मुलाकात करेंगे। इस दौरान, प्रशासन क्रीमिया पर रूस के कब्जे और देश के पूर्वी क्षेत्र में सशस्त्र अलगाववादियों के समर्थन की स्थिति में यूक्रेन की संप्रभुता के लिए एकजुटता व्यक्त कर सकता है। वहीं, जेलेंस्की यूक्रेन से गुजरने वाली जर्मनी की 'नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन' के निर्माण में अवरोध उत्पन्न ना करने के वाशिंगटन के निर्णय के प्रति समर्थन भी व्यक्त कर सकते हैं।

सैन डिएगो तट पर क्रैश हुआ यूएस नेवी हेलिकॉप्टर, 5 लोग लापता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना का एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया है। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन 72) हेलिकॉप्टर मंगलवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया के समुद्र में एक विमानवाहक पोत से नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हादसे के बाद 5 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अमेरिकी नौसेना ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में हेलिकॉप्टर के समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नौसेना के 5 सदस्य लापता हो गए हैं। नौसेना ने कहा कि एमएच-60एस हेलिकॉप्टर में 6 लोग सवार थे। सैन डिएगो से लगभग 60 समुद्री मील की दूरी पर मंगलवार शाम 4:30 बजे यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है। बाकी 5 लोगों की तलाश जारी है। यूएस थर्ड फ्लीट ने कहा कि कोस्ट गार्ड और नौसेना लापता सेवा सदस्यों के सर्च ऑपरेशन में लगे हैं।

काबुल के आत्मघाती हमले में शहीद हुई अमेरिकी मरीन का निकाला गया जुलूस

वाशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान में आत्मघाती हमले में मारी गई अमेरिकी मरीन जोहानी रोसारियो के सम्मान में उनके गृह निवास में जुलूस निकाला गया। काबुल में हुए हमलों में अमेरिकी सेना के 13 सदस्य मारे गए थे जिनमें से जोहानी भी थीं। मैसाचुसेट्स के लॉरेंस के ह्यवेटरंस मेमोरियल स्टेडियमह्व में अधिकारियों ने जुलूस निकाला। इस दौरान सार्जेंट जोहानी का परिवार भी मौजूद था। काबुल में हवाईअड्डे के पास 26 अगस्त को हुए हमलों में 25 वर्षीय जोहानी रोसारियो मारी गई थीं, जहां तालिबान के देश पर कब्जे के बाद निकासी अभियान चल रहा था। अमेरिकी सेना के 13 सदस्य और 169 अफगान लोग हमले में मारे गए थे। बोस्टन में पिछले सप्ताहांत में जोहानी रोसारियो की स्मृति में कई लोगों ने एक जुलूस निकाला था, जिसे 'मैसाचुसेट्स फॉलन हीरोज' द्वारा आयोजित किया गया था। यह इराक और अफगानिस्तान में सेवा करने वाले पूर्व सैनिकों द्वारा स्थापित एक संगठन है। डोमिनिकन मूल की जोहानी रोसारियो 'नौसेना उभयचर बल' की टास्क फोर्स 51/5वीं 'मरीन ब्रिगेड' में तैनात थीं।

सऊदी अरब में एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले की खबर, 8 लोग घायल

दुबई, एजेंसी। सऊदी अरब में एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले की खबर है। सऊदी मीडिया के मुताबिक देश के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में हवाईअड्डे पर मंगलवार को हुए ड्रोन हमले में 8 लोग घायल हुए और एक असैन्य विमान क्षतिग्रस्त हो गया। यमन के साथ जारी युद्ध के बीच सऊदी अरब पर यह सबसे हालिया और पिछले 24 घंटे में हवाईअड्डे पर हुआ दूसरा हमला है। अभी तक किसी आंतकी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हवाईअड्डे पर हुए पहले हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। सऊदी नीत सैन्य गठबंधन की 2015 से यमन में ईरान समर्थित शिया (हुती) विद्रोहियों से लड़ाई चल रही है जो सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों, सैन्य प्रतिष्ठानों और अन्य अवसंरचना को निशाना बनाते रहे हैं। घटना के सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हैं। बता दें कि यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व में गठबंधन देशों की सेनाएं हूती विद्रोहियों के साथ जंग लड़ रही हैं।युद्ध के दौरान यमन में 130,000 लोगों की मौत हो चुकी है। कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का आरोप है कि मरने वालों में अधिकतर बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इस जंग ने यमन में दुनिया के सबसे खराब मानवीय संकट को जन्म दिया है। ये विद्रोही यमन की सीमा से सऊदी अरब के तेल के डिपो और रिफाइनरियों पर आए दिन ड्रोन और मिसाइल हमले करते रहते हैं।

अफगानिस्तान के कंधार में अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर से एक शव को लटकाकर उड़ते हुए देखा गया

कंधार, एजेंसी। तालिबान ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से अफगानिस्तान के कंधार में अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर से एक शव को लटकाकर उड़ते हुए दिखाया है। इसका वीडियो कई पत्रकारों ने इस ट्वीट कर शेयर किया है। अमेरिका की अफगानिस्तान से पूरी तरह से निकाली के बाद यह ट्वीट वायरल हो रहा है। अमेरिका के सभी सैनिक अफगानिस्तान छोड़कर जा चुके हैं। 'तालिब टाइम्स' नाम के ट्विटर हैंडल ने दावा किया है कि हेलीकॉप्टर 'शहर में गश्त' कर रहा था। हालांकि, इसमें रस्सी से बंधे शव के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। ट्वीट में कहा गया है, 'हमारी वायु सेना! इस समय, इस्लामिक अमीरात की वायु सेना के हेलीकॉप्टर कंधार शहर के ऊपर से उड़ान भर रहे हैं और शहर में गश्त कर रहे हैं।

अमेरिका को नुकसान पहुंचाने वालों को हम ढूंढकर मारेंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी

- आईएसआईएस-के को राष्ट्रपति बाइडेन की चेतावनी, कहा- अभी तक पूरा नहीं हुआ है अमेरिका का बदला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भले ही अफगानिस्तान से अपना बोरिया-बिस्तर समेट लिया हो, मगर वह अपने दुश्मन इस्लामिक स्टेट खोरासान से अपने सैनिकों की मौत बदला लेना नहीं छोड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत (आईएसआईएस-के) को चेतावनी दी और कहा कि अभी तक अमेरिका का बदला पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने अपने दुश्मनों को धमकाते हुए कहा कि जो लोग अमेरिका को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, हम ऐसे लोगों को ढूंढकर मारेंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। दरअसल, बीते दिनों काबुल एयरपोर्ट पर हुए धमाके में अमेरिका के 13 सैनिकों की मौत हो गई थी और करीब डेढ़ सौ से अधिक अफगानियों की भी मौत हो गई थी। इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट खुरासान ने ली थी, जिसके बाद अमेरिका ने एयरस्ट्राइक कर काबुल ब्लास्ट के साजिशकर्ता को मार गिराया था।

अफगानिस्तान से अमेरिकी फौजों की वापसी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अफगानिस्तान में हमारा मिशन कामयाब रहा। साथ ही उन्होंने आतंकवाद से लड़ाई जारी रखने की बात एक बार फिर से दोहराई। बाइडेन ने कहा कि हम अफगानिस्तान समेत दुनिया भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहेंगे। मगर अब किसी देश में आर्मी बेस नहीं बनाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे यकीन है अफगानिस्तान से सेना बुलाने का फैसला, सबसे सही, सबसे बुद्धिमानीपूर्ण और बेस्ट है। अफगानिस्तान में युद्ध अब खत्म हो चुका है। मैं अमेरिका का चौथा राष्ट्रपति था, जो इस सवाल का सामना कर रहा था कि इस युद्ध को कैसे खत्म किया जाएगा। मैंने अमेरिकी लोगों से कमिटमेंट किया था कि यह युद्ध खत्म करुंगा और मैंने अपने फैसले का सम्मान किया। जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी की सफलता का क्रेडिट अमेरिकी सेना और राजनयिकों को दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी आर्मी और राजनयिकों के अविश्वसनीय कौशल, बहादुरी और निस्वार्थ साहस के कारण ही यह मिशन सफल हो पाया।

बाइडेन ने कहा कि ऑपरेशन के हिस्से के रूप में शहीद हुए 13 सैनिकों को भुलाया नहीं जाएगा। बाइडेन ने कहा, इस मिशन की सेवा में 20 सर्विसे मेंबर्स घायल हो गए। तेरह नायकों ने अपनी जान दे दी। उन्होंने कहा कि अपने जवानों की शहादत को हमें कभी भी नहीं भूलना चाहिए।

तालिबान शासन को मान्यता से पहले अंतरराष्ट्रीय रुख देखेगा पाकिस्तान

- पाक के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा- हमें इंतजार करना चाहिए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि उनका देश अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता देने का एकतरफा फैसला नहीं लेगा। चौधरी ने अफगानिस्तान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की पाकिस्तान की कोशिशों के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाए गए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पाकिस्तान की नीति पूरी तरह से स्पष्ट रही है। मान्यता देने के निर्णय से पहले अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय दृष्टिकोण पर भी विचार किया जाएगा। तालिबान ने 15 अगस्त को अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके दो सप्ताह बाद 31 अगस्त को अमेरिका ने अपने सभी सैनिकों को वापस बुला लिया। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी को देश छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात में शरण लेनी पड़ी।

सूचना मंत्री ने कहा, ह्यह्यपाकिस्तान ने लोगों को सुरक्षित वहां से निकालने की प्रक्रिया में काफी अहम भूमिका निभाई है। हम अफगानिस्तान से विदेशियों को सुरक्षित निकालने के लिए अधिकतम सहयोग दे रहे हैं और अब तक 10,302 विदेशियों को निकालने में मदद कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह एक प्रक्रिया है और हमें इंतजार करना चाहिए। नये अफगान अधिकारियों ने एक स्पष्ट रुख अपनाया है और हमें उम्मीद है कि वे किसी भी देश के खिलाफ अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

अफगानिस्तान में समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास जारी रखेगा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। अपने सैनिकों की अफगानिस्तान से सकुशल वापसी के बाद ब्रिटेन ने कहा है कि वह तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान में समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास जारी रखेगा। इसके लिए उसने राजनयिक प्रयासों की योजना बनाई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब कतर, तुर्की, जी-7 के सहयोगी देशों और नाटो के साथ होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगे। अफगानिस्तान के मुद्दे पर अमेरिका की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में राब ब्रिटेन की चार अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता पर जोर देंगे। ये हैं, अफगानिस्तान को आतंकियों की पनाहगाह बनने से रोकना, मानवीय दुर्दशा का समाधान, क्षेत्रीय स्थिरता कायम करने और तालिबान को मानवाधिकारों के लिए जवाबदेह बनाना।

यूएई ने सभी वीजा धारकों को दी उड़ान की अनुमति, हवाई किराए में 100 फीसदी तक की वृद्धि

अबू धाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के लिए अब सभी कैटेगरी के वीजा धारक उड़ान भर सकते हैं। इसका बड़ा फायदा उन भारतीय कामगारों और छात्रों को मिल मिलेगा जो यूएई में कार्यरत हैं या पढ़ाई करते हैं। हालांकि यह सफर इतना भी आसान नहीं है। उड़ान प्रतिबंधों में ढील देने के साथ जैसे-जैसे यात्रियों की संख्या बढ़ी हवाई किराया भी कम से कम 100 फीसदी तक बढ़ गया है।

यूएई के अधिकारियों ने 30 अगस्त से सभी वैक्सीन लगवा चुके पर्यटकों को टूरिस्ट वीजा फिर से देने की घोषणा की थी, जिसके बाद यात्रा के लिए आवेदकों की संख्या और हवाई किराए में आश्चर्यजनक इजाफा हुआ। हालांकि एयरलाइंस के अनुसार दुबई की यात्रा करने वाले यात्रियों यूएई में प्रवेश करते समय वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट नहीं दिखाना होगा। ट्रैवल एजेंट्स और होटल मालिकों का कहना है कि आईसीए और एनसीईएमए की हालिया घोषणाओं ने हवाई और होटल किराए में भारी वृद्धि की है, खासकर दुबई में। स्मार्ट टैवल्स के संचालन प्रबंधक मलिक बेडेकर ने कहा कि भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल के हवाई किराए में कम से कम 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दूसरी ओर एयर अरबिया ने कहा भारत, पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका से ई-वीजा पर यात्रा करने वाले यात्रियों को शारजाह और रास अल खैमाह के लिए उड़ान भरते समय कोविड-19 वैक्सिनेशन रिकॉर्ड दिखाना होगा।

तालिबानी नेता अनस हक्कानी ने कहा- हम कश्मीर मामले में नहीं करेंगे हस्तक्षेप

- तालिबान से नापाक रिश्तों के बाद पाकिस्तान की नापाक उम्मीदों को बड़ा झटका

काबुल, एजेंसी। करीब 20 साल बाद एक बार फिर अफगानिस्तान पर तालिबान का पूरी तरह से कब्जा हो गया है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान खेमे में जश्न का माहौल है। आज बैगर किसी विदेशी ताकतों की मौजूदगी में अफगानिस्तान की सुबह हुई। इस बीच तालिबान ने पाकिस्तान की नापाक उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है और स्पष्ट किया कि वह कश्मीर में दखल नहीं देगा। तालिबानी नेता अनस हक्कानी ने कहा कि हम कश्मीर के मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। एक सवास के जवाब में उन्होंने कहा कि कश्मीर हमारे अधिकार क्षेत्र का हिस्सा नहीं है और हस्तक्षेप नीति के खिलाफ है। हम अपनी नीति के खिलाफ कैसे जा सकते हैं? अनस हक्कानी ने कहा कि हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि कोई हमारे बारे में गलत सोचे। भारत ने 20 सालों तक हमारे दुश्मन की मदद की, मगरहम सब कुछ भूलकर रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इस सवाल के जवाब में कि हक्कानी नेटवर्क पाकिस्तानी आईएसआई और पाक सेना के साथ करीबी से जुड़ा हुआ है। अब आप अफगानिस्तान सरकार का हिस्सा हैं। आपका उनसे क्या जुड़ाव होगा?, पर अनस ने कहा कि हमने बीस साल तक संघर्ष किया। हमारे बारे में बहुत सारे नकारात्मक प्रोपेगेंडा हैं और यह सब गलत है। हक्कानी नेटवर्क कुछ भी नहीं है। हम सबके लिए काम कर रहे हैं। दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में मीडिया हमारे बारे में नकारात्मक प्रचार कर रहा है। इससे माहौल खराब हो रहा है। युद्ध में कभी भी किसी पाकिस्तानी हथियार का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ये आरोप गलत और निराधार हैं।

'आईएसआईएस-के' के खिलाफ हमले करने के लिए तैयार ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। अफगानिस्तान से अपनी सेना की वापसी के साथ ही अमेरिका ने तालिबान के खिलाफ 20 साल तक चले युद्ध के खत्म करने की घोषणा की। इसके बाद ब्रिटेन ने कहा है कि वह अफगानिस्तान में आतंकी नेटवर्क 'आईएसआईएस-के' के खिलाफ हमले करने के लिए तैयार है।इसके पहले पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय) ने कहा था कि देश में आईएसआईएस-खुरासान के 2000 लड़ाके मौजूद हैं। आईएसआईएस-खुरासान वैश्विक आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट की अफगानिस्तान में स्थित ब्रांच है।इसने गुरुवार को काबुल एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी।आत्मघाती हमले में 169 अफगान नागरिक और 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है।

ब्रिटेन के चीफ ऑफ एयर स्टाफ, एयर चीफ मार्शल माइक विग्सटन कहा कि ब्रिटेन आईएसआईएस- के के खिलाफ होने वाले हमलों में शामिल हो सकता है। उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन के सैनिकों की अफगानिस्तान से पूर्ण वापसी होने के बाद ये बात कही है।

विंग्सटन ने कहा, काबुल एयरपोर्टपरदाएश(आईएसआईएस) के भीषण हमले में मारे गए लोगों के शोक और दाएश नेटवर्क का हर तरह से मुकाबला करने के लिए, जहां से भी वहां संचालित होता है, ब्रिटेन अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ खड़ा है।

अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान की सीमा पर विस्थापितों की भीड़ रेतीले इलाकों से गुजरती हुई।

तालिबान को प्रशिक्षण देने अफगानिस्तान जाएंगे पाकिस्तानी सुरक्षा और खुफिया अधिकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने के बाद अब पाकिस्तान को सबसे बड़ा खतरा आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से नजर रहा है, जो लगातार पाकिस्तानी सैनिकों की जान ले रहा है। टीटीपी की ताजा कार्रवाइयों ने पाक प्रधानमंत्री इमरान खान की नींद उड़ा दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों में टीटीपी को लेकर चिंता काफी बढ़ गई है। पाकिस्तान अपने शीर्ष सुरक्षा और खुफिया अधिकारियों को अफगानिस्तान भेजने की तैयारी की है, ताकि तालिबानी सेना को नई परिस्थिति के हिसाब से प्रशिक्षित किया जा सके।

पाकिस्तान को सबसे बड़ा खतरा आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से नजर रहा है, जो लगातार पाकिस्तानी सैनिकों की जान ले रहा है। टीटीपी के सदस्य अफगानिस्तान की सीमा पार करके पाकिस्तान में घुसते हैं और पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले करके फरार हो जाते हैं। पिछले दो दशकों में हजारों की तादाद में पाकिस्तानी इन हमलों में मारे गए हैं। एक पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा अगले दो से तीन महीने इस लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को डर सता रहा है कि अमेरिका के अत्याधुनिक हथियारों से लैसटीटीपीकेलड़ाके अफगानिस्तान-पाकिस्तान की सीमा पर भीषण हमले कर सकते हैं। एक सूत्र ने कहा हम तालिबान की सेना को फिर से संगठित करने में मदद कर रहे हैं, ताकि वे विभिन्न विद्रोही समूहों पर प्रभावी नियंत्रण पा सकें।

आरोपों को गलत बता पाकिस्तान ने बताया काबुल में क्यों आया तालिबान का राज

- अमेरिकी सांसद वॉल्ट्ज ने तालिबान को समर्थन देने पर पाकिस्तान पर की थी बैन की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका लगातार यह दावा कर रहा है कि अफगानिस्तान में तालिबानी राज आने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। अमेरिकी सांसद माइकल जी वॉल्ट्ज ने तालिबान को कथित समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन को चिट्ठी लिख पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने तक की मांग की है। हालांकि, अब पाकिस्तान ने इसको लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है और अमेरिका से कहा है कि वह उसपर इलजाम लगाने बंद कर दे। अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद ने बाइडेन को चिट्ठी लिखने वाले सांसद की आलोचना की है और कहा है कि अगर पाकिस्तान की सैन्य रणनीति के कारण इतने सालों से अमेरिकी प्रशिक्षण पाने वाली अफगानी सेना हारी तो फिर अमेरिका का यह कहना कि अफगान सेना ने अपनी हिम्मत खो दी, सही नहीं लगता।

उन्होंने यह भी लिखा कि अफगानिस्तान का पतन अचानक जरूर हुआ, लेकिन यह बिल्कुल भी आश्चर्य की बात नहीं थी क्योंकि अफगानिस्तान की सरकार सालों से लगातार अपने क्षेत्र तालिबान के हाथों खोती जा रही थी। उन्होंने यह भी लिखा कि हतोत्साहित सैनिक एक ऐसी भ्रष्ट, कुटिल सरकार के लिए नहीं लड़ते तो मुसीबत आते ही भाग जाती हो। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने बयान से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचनाओं को न्योता दिया था। इमरान खान ने कहा था कि तालिबान आतंकवादी नहीं बल्कि आम नागरिकों की तरह है।

अमेरिकी सांसद जी वॉल्ट्ज ने अपनी चिट्ठी में पाक-तालिबान गठजोड़ का जिक्र किया था और पाकिस्तान पर अमेरिकी प्रतिबंधों की मांग की थी। वॉल्ट्ज ने अगस्त माह में बाइडेन को चिट्ठी लिखकर कहा था कि जब तक पाकिस्तान यह सुनिश्चित नहीं करता कि तालिबान उसकी धरती का इस्तेमाल युद्ध के लिए नहीं करेगा, तब तक अमेरका को उसपर प्रतिबंध लगाने चाहिए।

6 आतंकियों को बांग्लादेश की कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के आतंकवाद विरोधी न्यायाधिकरण ने पांच साल पहले एक प्रमुख समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ता सहित दो लोगों की वीभत्स हत्या के मामले में मंगलवार को छह आतंकवादियों को मौत की सजा सुनाई है। अप्रैल-2016 में, हमलावरों ने बांग्लादेश की पहली समलैंगिक अधिकार पत्रिका के संपादक जुल्हाज मन्नान की हत्या कर दी थी। ढाका में एक अपार्टमेंट में हुई हत्याएं नास्तिकों, नरमपंथियों और विदेशियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों का हिस्सा थीं। आतंकवाद विरोधी विशेष न्यायाधिकरण के न्यायाधीश मोजीबुर रहमान ने फैसला सुनाया

कि छह प्रतिवादी दो लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार थे लेकिन दो अन्य को बरी कर दिया। पुलिस ने मामले में आठ संदिग्ध उग्रवादियों को नामजद किया था। मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच चार आतंकवादी अदालत में मौजूद थे जबकि दो अन्य फरार हैं। अभियोजकों ने उन सभी की पहचान घरेलू आतंकवादी समूह अंसार-अल-इस्लाम के सदस्यों के रूप में की।

पृथ्वी की ओर तेजी से आ रहा है स्टैच्यू आफ लिबर्टी से तीन गुना बड़ा एस्टरॉइड

वॉशिंगटन, एजेंसी। स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से तीन गुना बड़ा ऐस्टरॉइड धरती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसकी गति से अध्ययन से पता चलता है कि यह ऐस्टरॉइड अगले माह पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर जाएगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया कि इस ऐस्टरॉइड का नाम 2021 एनवाई1 है। यह पृथ्वी के निकट आने वाली उन 17 वस्तुओं में से एक है, जिन्हें पिछले 60 दिनों से वैज्ञानिक ट्रैक कर रहे हैं।

नासा के अनुसार इस ऐस्टरॉइड की लंबाई 300 मीटर और मोटाई 130 मीटर के आसपास है। जबकि, स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी केवल 93 मीटर ऊंची है। यह ऐस्टरॉइड वर्तमान में 33659 किमी प्रति घंटे की गति से चल रहा है। वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई कि यह धरती से 1497473 किलोमीटर की दूरी से सुरक्षित गुजर जाएगा। उदाहरण के लिए चंद्रमा हमारी पृथ्वी से 384399 किमी की दूरी पर है। इस दूरी के आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है कि यह हमारी पृथ्वी से कितनी दूर से गुजरने वाला है। इसके 22 सितंबर को पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करने की उम्मीद है। इस बीच नासा एक और ऐस्टरॉइड की निगरानी कर रहा है। इसका नाम 2021 क्यूसी-1 है। 160 मीटर लंबा और 71 मीटर मोटा यह छोटा ऐस्टरॉइड 1 सितंबर को पृथ्वी से

तीन मिलियन मील से अधिक की दूरी से गुजर जाएगा। इस महीने की शुरूआत में, नासा ने कहा कि एक नए अध्ययन ने इस संभावना को बढ़ा दिया है कि ऐस्टरॉइड बेन्नू 2300 तक कभी भी पृथ्वी से टकरा सकता है।

एस्टरॉइड्स वे चट्टानें होती हैं, जो किसी ग्रह की तरह ही सूरज के चक्कर काटती हैं, लेकिन ये आकार में ग्रहों से काफी छोटी होती हैं। हमारे सोलर सिस्टम में ज्यादातर ऐस्टरॉइड्स मंगल ग्रह और बृहस्पति यानी मार्स और जुपिटर की कक्षा में ऐस्टरॉइड बेल्ट में पाए जाते हैं। इसके अलावा भी यह दूसरे ग्रहों की कक्षा में घूमते रहते हैं और ग्रह के साथ ही सूरज का चक्कर काटते हैं।

करीब 4.5 अरब साल पहले जब हमारा सोलर सिस्टम बना था, तब गैस और धूल के ऐसे बादल जो किसी ग्रह का आकार नहीं ले पाए और पीछे छूट गए, वही इन चट्टानों यानी ऐस्टरॉइड्स में तब्दील हो गए। यही वजह है कि इनका आकार भी ग्रहों की तरह गोल नहीं होता। कोई भी दो ऐस्टरॉइड एक जैसे नहीं होते हैं। नासा ने इस खतरनाक ऐस्टरॉइड की श्रेणी में रखा है। यह ऐस्टरॉइड हाल के दिनों में आने वाले 5 में से तीसरा है।

अनुमान है कि यह ऐस्टरॉइड दुबई के बुर्ज खलीफा इमारत के आकार का हो सकता है। नासा इन दिनों दो हजार ऐस्टरॉइड पर नजर रखे हुए है जो धरती के लिए खतरा बन सकते हैं। अगर किसी तेज रफ्तार स्पेस ऑब्जेक्ट के धरती से 46.5 लाख मील से करीब आने की संभावना होती है तो उसे स्पेस ऑर्गनाइजेशन्स खतरनाक मानते हैं।

खबर एक नजर

दिल्ली के सरकारी अस्पताल में शाम को प्रेग्नेंट महिलाओं को नहीं किया जाता भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के जगप्रवेश चंद्र अस्पताल में एनेस्थेटिस्ट की कमी की वजह से प्रेग्नेंट महिलाओं को भर्ती न किए जाने की रिपोर्टों के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय में इस बाबत एक अहम जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। इस याचिका में अस्पताल में जल्द पर्याप्त डॉक्टर-विशेषज्ञ-एनेस्थेटिस्ट नियुक्त करने एवं गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अस्पताल में भर्ती करने से मना करने से रोकने को लेकर उचित निर्देश दिए जाने की मांग की गई है। पीआईएल में उठाए मुद्दों की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने इसे सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए सूचीबद्ध कर लिया है। यह जनहित याचिका वकील और सामाजिक कार्यकर्ता अमित साहनी द्वारा दायर की गई है। याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री ने इसे मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के समक्ष 2 नवंबर को सूचीबद्ध किया है। जनहित याचिका में दिल्ली सरकार के तहत आने वाले इस अस्पताल में एनेस्थेटिस्ट की तत्काल भर्ती की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गरीब और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को अस्पतालों में प्रवेश या उपचार से वंचित न किया जाए। मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से सामने आया कि अस्पताल में एनेस्थेटिस्ट की कमी के कारण जगप्रवेश चंद्र अस्पताल का आपातकालीन वार्ड शाम 4 बजे से सुबह 8 बजे तक उपलब्ध नहीं है। एनेस्थेटिस्ट-विशेषज्ञ-डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्ग की गर्भवती महिलाओं को उनके बच्चे की डिलीवरी के लिए अस्पताल में प्रवेश नहीं दिया जाता। इसके अलावा, जिन्हें आपातकालीन सी-सेक्शन की आवश्यकता होती है, उन्हें भी अन्य अस्पतालों में भेज दिया जाता है। अत्यधिक प्रसव पीड़ा में गर्भवती महिलाओं और उनके रिश्तेदारों को शाम 4 बजे के बाद सुबह 8 बजे तक अस्पताल द्वारा किसी भी प्रकार की चिकित्सा सहायता प्रदान करने से इनकार करने के कारण भारी नुकसान हो रहा है। वकील अमित साहनी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एनेस्थेटिस्ट की कमी से न केवल उन गर्भवती महिलाओं को समस्या हो रही है, जिन्हें सी-सेक्शन की आवश्यकता है, बल्कि किसी भी ऑपरेशन के लिए भी एनेस्थीसिया की आवश्यकता होती है।

सीबीआई की अदालत ने 8 दोषियों को सुनाई 7 साल कैद की सजा 2 रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा घोटाला केस में सीबीआई की अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। इस घोटाले को व्यापम घोटाला के नाम से भी जाना जाता है। व्यापम पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा घोटाला 2012 मामले में कोर्ट ने 8 आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने इन सभी लोगों को 7-7 साल जेल की सजा सुनाई है। इसके अलावा इन सभी पर 10,000 रुपया का जुमार्ना भी लगाया गया है। इसके अलावा अदालत ने इस मामले के 2 आरोपियों को बरी भी किया है। दरअसल सीबीआई कोर्ट में 3 उम्मीदवार, 3 सॉल्वर और 4 बिचौलियों को आरोपी बनाया गया था। इन्हीं 4 बिचौलियों में से 2 को अदालत ने बरी कर दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने राजेश धाकड़, कवींद्र, विशाल, कमलेश, ज्योतिष, नवीन समेत 8 आरोपियों को दोषी माना और इसमें से 2 को बरी कर दिया। व्यापम व्यावसायिक परीक्षा मंडल घोटाला 2013 में तब सामने आया था जब इंदौर पुलिस ने 2001 की पीएमटी प्रवेश से जुड़े केस में 20 नकली अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया था। साल 2013 में डॉक्टर जगदीश सागर के पकड़े जाने के बाद इस मामले की परतें खुलती चली गई थीं। आरोप लगा था कि कई लोग असली अभ्यर्थियों की जगह पर परीक्षा देने आए थे। साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने व्यापम केस की जांच सीबीआई को सौंपी थी। राष्ट्रीय एजेंसी ने इस मामले में 100 से ज्यादा केस दर्ज किये थे। घोटालेबाजों ने असली प्रतियोगियों और उनकी जगह परीक्षा में बैठने वाले लोगों की तस्वीरों को मिला कर ये तस्वीरें बनाई थीं। लिहाजा मोर्फ तस्वीरों से असली परीक्षार्थी और नकली परीक्षार्थी की पहचान करना एजेंसी के लिए काफी मुश्किलों भरा रहा। इस मामले में दर्ज सभी केसों की जांच पूरी हो चुकी है।

दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट ने लगातार दूसरी बार वर्ष 2020-21 के लिए सर्वोच्च 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार ('ख' क्षेत्र में तृतीय पुरस्कार)' प्राप्त किया है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने आज भारत सरकार के विभिन्न बोर्डों/स्वायत्त निकायों/न्यासों/ सोसाइटियों आदि के बीच राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट को इस पुरस्कार से सम्मानित घोषणा की। दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग ने आज राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु वर्ष 2020-21 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार ('ख' क्षेत्र में तृतीय पुरस्कार)' प्रदान करने की घोषणा की है।

सेक्स रैकेट सोशल मीडिया पर पोर्न फोटो भेजकर ग्राहक से तय होता था रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के सर सैयद कॉलोनी में चल रहे सेक्स रैकेट मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पता चला है कि सोशल साइट पर लड़कियों के पोर्न वीडियो और तस्वीरें भेज कर ग्राहकों को फंसाया जाता था। यह कुकृत्य करने वाली कोई और नहीं बल्कि एक महिला ही है। पुलिस ने उसकी पहचान कर ली है। धंधेबाज महिला किरण अपने पति दिलीप के साथ मिलकर गरीब और मजबूर लड़कियों को फंसाती थी और रुपये का लालच देकर उनकी पोर्न तस्वीरें और वीडियो बना लेती थी। फिर वही वीडियो ग्राहकों को भेज कर रेट तय किया जाता था। फिर उन्हें मुजफ्फरपुर सर सैयद कॉलोनी में बुलाकर जिस्मफरोशी का धंधा चलाया जा रहा था। सोमवार की देर रात गिरफ्तार शराब माफिया दीपक और हिरासत में ली गई पटना की युवती से पूछताछ में यह अहम खुलासा हुआ है। मुजफ्फरपुर पुलिस ने पूर्वी चंपारण के चकिया में भी छापेमारी की है। फिलहाल दिलीप और उसकी पत्नी किरण फरार है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। अहियापुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार रजक ने बताया कि पुलिस अपने बयान पर एफआईआर दर्ज करके इस मामले में करवाई कर रही है। उन्होंने बताया है कि सर सैयद कॉलोनी से पकड़ी गई युवती पटना में एक मॉल में काम करती थी। उसकी एक दोस्त ने पूर्वी चंपारण के चकिया निवासी दिलीप से उसका परिचय कराया था। युवती से पूछताछ के मुताबिक दिलीप और किरण नई लड़कियों की खूब खातिरदारी करते हैं और रुपए का लालच देकर उनसे गलत काम करवाते हैं। बहला-फुसलाकर इसका वीडियो भी बना लिया जाता है और उस वीडियो को बेच कर भी रुपए कमाए जाते हैं। छानबीन में पता चला है कि दिलीप और किरण के संपर्क में बहुत सारी लड़कियां हैं जिनको ग्राहक फिक्स हो जाने के बाद बुलाया जाता है। लड़कियों को इसके एवज में पांच सौ से एर हजार रुपये दिया जाता है। बता दें कि सोमवार की रात अहियापुर थाना के सर सैयद कॉलोनी में स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने छापामारी की थी जहां से एक युवती और शराब कारोबारी दीपक को पुलिस ने पकड़ा था।

सितंबर अंत तक बाजार में आ सकती है जाइकोव-डी वैक्सीन, कीमत होगी काफी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। दूसरी स्वदेशी कोरोना वैक्सीन जायकोव-डी कीमत काफी कम हो सकती है। जायडस ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉ शर्विल पटेल ने कहा कि वैक्सीन की कीमत तकनीक, क्षमता और वॉल्युम के आधार पर निर्धारित की जाएगी। जायकोव-डी को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफइंडिया (डीसीजीआई) की ओर से 20 अगस्त को मंजूरी मिल गई है। देश की पहली स्वदेश निर्मित कोरोना वायरस वैक्सीन भारत बायोटेक और आईसीएमआर की कोवॉक्सिन है। पटेल ने कहा जायकोव-डी की कीमत अभी सरकार के साथ बातचीत करके तय की जानी है। तकनीक, क्षमता और वाल्युम के आधार पर कीमत तय की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि वैक्सीन की कीमत काफी सस्ती होगी। उन्होंने कहा महामारी के दौरान जायडस ने सस्ती दरों पर लोगों पर थेरेप्यूटिक्स, डायग्नोस्टिक्स और प्रतिरोधी दवाएं उपलब्ध कराई हैं। जायकोव-डी की कीमत भी कोई अलग नहीं होगी। जायकोव-डी दुनिया की पहली प्लाज्मिड डीएनए आधारित कोरोना वायरस वैक्सीन है। यह एक मात्र वैक्सीन है, जिसे भारत ने 12 से 17 साल की उम्र के बच्चों के टीकाकरण के लिए मंजूरी दी है। कंपनी ने वैक्सीन की 30 से 50 लाख डोज तैयार कर रखी हैं और एक बार क्वालिटी और सेफ्टी चेक में वैक्सीन के क्लियर होने के बाद इन्हें सप्लाई किया जाना शुरू हो जाएगा। पटेल ने कहा कि सितंबर के अंत तक वैक्सीन की पहली डोज की डिलिवरी हो सकती है। जायडस कैडिला की कोशिश प्रति वर्ष वैक्सीन की 10 से 12 करोड़ डोज तैयार करने की है। जायकोव-डी की वैक्सीन अभी तीन डोज की वैक्सीन है, जिसे 0, 28 और 56 दिन की अवधि पर दिया जाएगा। पटेल ने कहा कि कंपनी की कोशिश दो डोज की वैक्सीन के लिए मंजूरी पाने की है, हालांकि इसके लिए उन्हें कोई टाइमलाइन नहीं बताई। उन्होंने कहा कि जायकोव-डी के ट्रायल के दौरान कंपनी ने दो डोज की वैक्सीन का भी परीक्षण किया, इसमें प्रत्येक खुराक 3 मिलिग्राम का डोज दिया गया और इसके नतीजे में इम्युन सिस्टम तीन डोज वाली वैक्सीन के बराबर ही देखा गया। कंपनी के मुताबिक तीन डोज वाली वैक्सीन कोरोना के लक्षण वाले मामलों में 66.6 फीसदी प्रभावी है। देश में स्कूल खुलने लगे हैं, ऐसे में जायकोव-डी को बच्चों के टीकाकरण के लिए संभावित विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है। वैक्सीन की डिलिवरी के बारे में पूछे जाने पर पटेल ने कहा कि कंपनी ने लॉजिस्टिक्स तैयारियां पूरी कर ली हैं।

संस्थापक स्वामी प्रभुपाद की 125वीं जयंती पर स्मारक सिक्का जारी करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर 125 रुपए का एक विशेष स्मारक सिक्का जारी करेंगे और एक सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कायार्लय के अनुसार पीएम मोदी वीडियो कॉफ्रेन्स के माध्यम से शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। स्वामी जी ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) की स्थापना की थी जिसे आमतौर पर हरे कृष्ण आंदोलन के रूप में जाना जाता है। इस्कॉन ने श्रीमदभागगवद् गीता और अन्य वैदिक साहित्य का 89 भाषाओं में अनुवाद किया जो दुनिया भर में वैदिक साहित्य के प्रसार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वामीजी ने 100 से अधिक मंदिरों की भी स्थापना की और दुनिया को भक्ति योग का मार्ग दिखाने वाली कई किताबें लिखीं। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री भी उपस्थित रहेंगे।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 12 सालों का रिकॉर्ड कई जगह जलभराव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कुछ हिस्सों में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा। सितंबर के पहले ही दिन शहर में हुई बारिश ने कम से कम 12 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 12 सालों पहली बार एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश दर्ज की गई। दिल्ली में हुई बारिश से कई जगहों पर पेड़ गिर गए और दीवारें भी गिर गई। ट्रैफिक पुलिस ने कुछ रास्तों को लेकर चेतावनी भी जारी की है। मौसम केंद्रों ने 24 घंटों में दिल्ली में 112.1 मिमी वर्षा दर्ज की, जो बुधवार को सुबह 8:30 बजे समाप्त हुई। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में यातायात बाधित और जलभराव देखा गया। लोगों को बाहर निकलने से पहले ट्रैफिक जाम की जांच करने की सलाह दी गई। आईएमडी ने कहा, 'उन क्षेत्रों में जाने से बचें, जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है मौसम विभाग ने ट्वीट कर चेतावनी दी, 'अगले दो घंटों के दौरान पूर्वी, दक्षिणपूर्व, पूर्वोत्तर, उत्तर, दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी, मेरठ और मोदीनगर के अलग-अलग स्थानों के आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तीव्रता के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।' दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट जारी कर बताया कि 'जलभराव के कारण आजाद मार्केट सबवे पर प्रताप नगर की ओर यातायात में बाधा है'। लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन, लाला लाजपत राय मार्ग मूलचंद बस स्टैंड, एम्स फ्लाईओवर के पास अरविंदो मार्ग, जंगपुरा मेट्रो के पास, एम्स से मूलचंद और रिंग रोड के पास मूलचंद रेड लाइट के पास जलभराव देखा गया। मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया। आईएमडी के अनुसार शाम साढ़े पांच बजे तक 84.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। साथ ही, राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार शाम को पारा 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, आईएमडी के अधिकारियों ने अधिकारियों ने बताया कि शहर के न्यूनतम तापमान में सुबह कुछ डिग्री की वृद्धि हुई और यह 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खबरों के मुताबिक, भारी बारिश के बाद खेल गांव, छतरपुर, कटवारिया सराय और कालकाजी समेत कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए।

कोरोना की तीसरी लहर नजदीक, 24 घंटे में सामने आए 41965 नए केस, 460 ने तोड़ा दम

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए तीसरी लहर के चेतावनी सच साबित होने लगी है। हर दिन कोरोना का बढ़ता ग्राफ अब देश की चिंता बढ़ाने लगा है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो केरल में कोरोना संक्रमण के 30,203 नए मामले सामने आए हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना संक्रमण के 41 हजार 965 नए केस सामने आए हैं, जबकि इस दौरान 460 मरीजों की मौत हुई है। कोरोना के नए मरीज मिलने के बाद अब देश में कुल संक्रमितों की संख्या 3 करोड़ 28 लाख 10 हजार 845 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब कोरोना के 3 लाख 78 हजार 181 एक्टिव केस हैं, जबकि 3 करोड़ 19 लाख 93 हजार 644 लोग ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। वहीं अब तक कोरोना से 4 लाख 39 हजार 20 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में अब तक 63,09,17,927 लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में 73,85,866 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई जा चुकी है। केरल में मंगलवार को कोविड-19 के 30,203 नए मामले सामने आने के साथ ही कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर प्रदेश में 40,57,233 हो गई जबकि 115 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 20,788 पर पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक केरल में बीते 24 घंटे के दौरान 1,60,152 नमूनों की कोविड-19 जांच होने के साथ संक्रमण की दर बढ़कर 18.86 प्रतिशत हो गई है। राज्य में अब तक 3,15,52,681 नमूनों की जांच की जा चुकी है। महाराष्ट्र में मंगलवार को कोविड-19 के 4,196 नए मामले सामने आने के साथ ही कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर प्रदेश में 64,64,876 हो गई जबकि 104 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 1,37,313 पर पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे के दौरान कोविड-19 के 4,688 मरीज संक्रमण मुक्त भी हुए, जिससे राज्य में इस जानलेवा वायरस के संक्रमण को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 62,72,800 हो गई। राज्य में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 51,238 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के मुताबिक महाराष्ट्र में संक्रमण से ठीक होने की दर 97 ।03 प्रतिशत हो गई है जबकि मृत्यु दर 2 ।12 प्रतिशत बनी हुई है। गुजरात में मंगलवार को कोरोना वायरस के 12 नए मरीजों की पुष्टि हुई, जिसके बाद कुल मामले 8,25,42 पहुंच गए हैं। वहीं दिन में करीब आठ लाख लोगों को कोविड रोधी टीका लगाया गया जो एक रिकॉर्ड है।

संक्रमण के कारण किसी मरीज की मौत नहीं हुई है, लिहाजा मृतक संख्या 10,081 पर स्थिर है। वहीं 12 और मरीजों के संक्रमण को मात देने के बाद संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की संख्या 8,15,191 हो गई है। अधिकारी के मुताबिक, राज्य में संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 150 रह गई है।

यात्रियों का सामान एयरपोर्ट पर छोड़ उड़ गई एअर इंडिया की फ्लाइट

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया की एक फ्लाइट यात्रियों का सामान लिये बगैर ही उड़ गई। इस मामले में अब केंद्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एयरलाइंस से रिपोर्ट मांगी है। जानकारी के मुताबिक बीते 29 अगस्त को इस प्लाइट ने शिकागो (यूएस) के लिए नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरी थी। लेकिन इस विमान में बैठे करीब 40 यात्रियों का सामान विमान में रखा ही नहीं गया। एक यात्री ने बताया कि उनका सामान शिकागो तक नहीं पहुंचा क्योंकि, एअर इंडिया ने विमान में सामान लोड ही नहीं किया था। एआई 127 दिल्ली-शिकागो विमान, बिना 40 यात्रियों का सामान लिये ही लैंड कर गई। इस मामले में एक ट्विटर यूजर ने केंद्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैग करते हुए लिखा कि 'सोचिए इस मुश्किल घड़ी में इस विमान के

- **जानकारी के मुताबिक बीते 29 अगस्त को इस प्लाइट ने शिकागो (यूएस) के लिए नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरी थी। लेकिन इस विमान में बैठे करीब 40 यात्रियों का सामान विमान में रखा ही नहीं गया।**

यात्रियों की हालत कैसी रही होगी।' ट्वीट पर नजर पड़ते ही केंद्रीय मंत्री भी एक्शन में आ गए।

उन्होंने इस मामले को बेहद ही गंभीरता से लेते हुए एयरलाइंस को शिकायत की जांच का आदेश दे दिया। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट कर कहा कि 'एअर इंडिया, कृप्या कर जांच करें और जवाब दें।' इसके बाद एअर इंडिया को शिकायत की जानकारी मिली और एक यात्रियों का सामान नहीं पहुंचने के मामले में जांच भी शुरू हो गई। एअर इंडिया ने ट्वीट कर कहा है कि 'हम अपनी शिकागो बैगेज टीम के साथ इस मामले की जांच कर रहे हैं आखिर कैसे यात्रियों का सामान छूट गया।' महामारी में कहीं यात्रा करना एक बड़ा टास्क है। इसलिए हम हाथ में ज्यादा भारी सामान लेकर यात्रा नहीं कर सकते। इसलिए हम अपना सामान पैक कर देते हैं। लेकिन एअर इंडिया की फ्लाइट हमें शिकागो ले आई बिना सामान के, शिकागो में मुझे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सभी चीजें मेरे बैग में थीं। यहां तक कि मेरे कॉलेज के डॉक्यूमेंट भी बैग में हीं थे और दैनिक उपयोग के सामान भी उसी में रखे हुए थे।' दिल्ली में रहने वाले एक यात्री के रिश्तेदार ने कहा कि 'इस महामारी में जो 14 घंटे से ज्यादा का सफर कर रहे हैं, जरा सोचिए इस वक्त बिना अपने सामान के उनकी हालत कैसी रही होगी।' बहरहाल अब इस पूरे मामले में एअर इंडिया की जांच टीम ने शुरूआती रिपोर्ट तैयार कर ली है। इस रिपोर्ट में जांच टीम की तरफ से बताया गया है कि लंबी दूरी की वजह से कुछ पे-लोड प्रतिबंध थीं और इसी वजह से कुछ यात्रियों का सामान विमान में लोड नहीं किया जा सका। यात्रियों तक उनका सामान पहुंचाने की सभी कोशिशें की जा रही हैं।

पूर्व सीजेआई बोबड़े ने डॉ. हेडगेवार के पैतृक आवास का दौरा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के पैतृक घर का दौरा किया। एक खबर के अनुसार जस्टिस बोबडे ने संघ मुख्यालय में औपचारिक रूप से आरएसएस के चीफ मोहन भागवत से मुलाकात भी की है। नागपुर में संघ के अन्य पदाधिकारियों से भी पूर्व सीजेआई की मुलाकात हुई है। जस्टिस बोबडे भी नागपुर के रहने वाले हैं और उन्होंने कई सालों तक शहर में वकालत भी की थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त होने के बाद जस्टिस बोबडे अपना ज्यादातर वक्त इसी शहर में बिताते हैं। उनके पूर्ववर्ती न्यायमूर्ति रंजन गोगोई को पिछले साल उनकी सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद राज्यसभा के लिए नामित किया गया था, जिससे एक बड़ा विवाद पैदा हुआ था।

एसएससी ग्रुप के चेयरमैन धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने तटबंध निर्माण हेतु जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह को भेजा पत्र

» (एजेंसी)

बलरामपुर । जनपद दौरे पर अचानक पहुंचे जल शक्ति मंत्री ने जनपद के अधिकारियों व विधायकों के साथ बैठक कर बाढ़ राहत के कार्यों को लेकर बैठक किया । इस दौरान भाजपा मीडिया प्रभारी डी पी सिंह 'बैस' ने एसएससी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरु का पत्र जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह को देकर बलरामपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की समस्या को अवगत कराते हुए सभी को समुचित सहायता हेतु आग्रह किया । इस दौरान उन्होंने मा. मंत्री जी को अवगत कराया कि राप्ती नदी के कारण जनपद को बड़ी विभीषिका का सामना करना पड़ता है बरसात के महीने में राप्ती नदी के किनारे बसे गांवों में पानी से तबाही मचती है और इससे बलरामपुर नगर को भी खतरा बना रहता है अतः इससे निजात पाने हेतु कोडरी घाट से लेकर सिसई घाट तक तटबंध का निर्माण अति आवश्यक है जिससे बलरामपुर नगर व दर्जनों गाँवों को राप्ती के प्रकोप से बचाया जा सकें । उन्होंने कोरोना काल में एसएससी ग्रुप आफ कम्पनीज के एमडी धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरु' द्वारा जनपद में किए गए सेवा कार्यों की संकलन पुस्तिका 'सेवा श्रद्धा' जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह को भेट की।

- **भाजपा मीडिया प्रभारी डीपी सिंह 'बैस' ने जल शक्ति मंत्री को बाढ़ की समस्या से अवगत कराया**

नोएडा में कानून व्यवस्था के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

नोएडा, एजेंसी। कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने तथा गौतमबुद्धनगर में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत लागू निषेधाज्ञा के संशोधित आदेश के दृष्टिगत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने रात को पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान लोगों से कोविड नियमों का पालन करने, कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से भीड़ इकट्ठा न करने या प्रदर्शन आदि में शामिल न होने की अपील की गई। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि 31 अगस्त को गौतमबुद्धनगर में सीआरपीसी की धारा 144 के अंतर्गत लागू निषेधाज्ञा के संशोधित आदेश के दृष्टिगत जनपद के सभी थाना क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से धारा 144 के अंतर्गत किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन में शामिल ना होने, कोविड, रात्रि कर्फ्यू संबंधी नियमों का पालन करने एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

- **भीड़ इकट्ठा न करने या प्रदर्शन आदि में शामिल न होने की अपील**

खुलकर खेलो इंडिया

भारत में खेल स्पधाओं को लेकर कोई ठोस नीति नहीं है। खेलों पर राष्ट्रीय नीति घोषित करनी चाहिए। हालांकि 'टोक्यो ओलंपिक' के बाद खेलों में देश की नयी छबि उभर कर सामने आयी है। भारत अब खेलना चाहता है और खूब खेलना चाहता है, लेकिन उसके लिए माहौल होना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर खेलों पर नीतिगत फैसले लेने चाहिए। खेलों के लिए बेहतर क्या किया जा सकता है इसके लिए केंद्र स्तर पर एक स्वतंत्र खेल आयोग का गठन होना चाहिए। खिलाड़ियों के लिए आवश्यक है सुविधाएं चाहिए। किन-किन खेलों के लिए क्या बेहतर होना चाहिए उस पर विचार करना चाहिए।

खेलों को बढ़ावा देने के लिए धन की कितनी आवश्यकता होगी। खिलाड़ियों को प्राथमिक स्तर पर कितनी बेहतर सुविधाएं मिल सकती हैं। ग्रामीण स्तर पर खेलों के मैदान की उपलब्धता क्या होनी चाहिए इस तरह की सुविधाओं का विकास देश में होना आवश्यक है। हमारे यहां खिलाड़ियों की कमी नहीं है, लेकिन नीतियों का भाव है। खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद देश उन पर खुले दिल से धन की वर्षा करता है, अगर यही सुविधाएं खिलाड़ियों को पहले से मुहैया करा दी जाएं तो भारत सिर्फ पदक तालिका में अपना मुकाम हासिल ही नहीं करेगा बल्कि ग्लोबल रैंकिंग पर अपना बेहतर प्रदर्शन करेगा। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए उनसे सीधी बात कर उनका मनोबल बढ़ाने का काम किया। लेकिन इस काम के लिए भी उन्हें आलोचना झेलनी पड़ी।

खेलों में 'ग्लोबल रैंकिंग' की बात करें तो भारत की स्थिति आज भी बहुत बेहतर नहीं है। यह दीगर बात है कि टोक्यो ओलंपिक में हमने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमें नीरज चोपड़ा से आगे भी निकलना होगा। ग्लोबल रैंकिंग में आज भी संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान जैसे देश बने हुए हैं। भारत से कई गुना छोटे मुल्क बेहतर प्रदर्शन करते हैं। टोक्यो ओलंपिक में ग्लोबल रैंकिंग में भारत का 48 वाँ स्थान है। हमें अमेरिका, चीन, जापान, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस की कतार में खड़ा होना होगा। यह तभी संभव होगा जब खेलों पर सरकार अच्छी नीति लेकर आएगी। जीत के बाद खिलाड़ियों पर खजाना लुटाने कि नीति से हमें बचना होगा।

देश के खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास जरूरी है। सारा पैसा एक खिलाड़ी के व्यक्तिगत मद में चला जाता है। जिससे दूसरे खिलाड़ी जो बेहतर प्रदर्शन के बाद जीत हासिल नहीं कर पाते हैं उनमें निराशा हाथ लगती है। हम यह भी नहीं कहते हैं कि खिलाड़ियों का सम्मान नहीं होना चाहिए लेकिन प्रतिभाग करने वाले दूसरे खिलाड़ियों का भी मनोबल नहीं गिरना चाहिए। उनके लिए भी बेहतर सुविधाएं और खेलों का माहौल होना आवश्यक है। खेलों को हमें राष्ट्रीय नीति में शामिल करना होगा। हरियाणा जैसा राज्य देश में सबसे अधिक खिलाड़ियों को पैदा करता है। खेलों को लेकर हमें हरियाणा सरकार की नीतियों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करना चाहिए। तभी हम खेलों का विकास कर सकते हैं।

टोक्यो ओलंपिक के बाद पैरालंपिक में भी सुखद खबर आयी है। पैरालंपिक में भी हमारी ग्लोबल रैंकिंग 35 वें स्थान पर है। अब तक हमारे खिलाड़ियों ने एक गोल्ड के साथ 7 मेडल जीता है। यहाँ भी चीन, अमेरिका और ब्रिटेन अपनी स्थिति को मजबूत किए हुए हैं। फिलहाल भारत का संघर्ष जारी है। देश की मीडिया और दूसरे क्षेत्रों में पैरालंपिक को लेकर वह उत्साह नहीं दिखाई दे रहा है जो ओलंपिक को लेकर रहा। ओलंपिक में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जिस तरह देश जश्न मना रहा था वह स्थिति पैरालंपिक में नहीं दिख रही है। इसे हम अच्छा संकेत नहीं कर सकते हैं। जबकि हमारे लिहाज से यह गर्व का विषय है कि पैरालंपिक में हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन किया है। हमें उम्मीद है कि ओलंपिक से कहीं अच्छा प्रदर्शन करके हमारे खिलाड़ी स्वदेश लौटेंगे। खिलाड़ियों की हौसलाआफजाई के लिए सरकार और दूसरी संस्थाओं को भी व्यक्तिगत रूप से आगे आना चाहिए।

टोक्यो ओलंपिक में भारत की अवनि लखेड़ा ने एयर राइफल स्टैंडिंग में स्वर्ण पदक जीता है। पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। इसके अलावा देवेंद्र झाझरिया, योगेश कथुनिया और सुंदर सिंह ने रजत, ब्रांज मैडल जीत कर देश का मान बढ़ाया है। दूसरे खिलाड़ी भी इस जीत में शामिल हैं। लेकिन जिस तरह का जश्न नीरज चोपड़ा की जीत पर दिखा था वह जोश लखेड़ा की जीत पर नहीं दिख रहा है। जबकि यह उपलब्धि ओलम्पिक से कहीं अधिक बड़ी है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर लेखारा को बधाई दी है।

मीडिया और देश को यह खाई पाटना होगा। हमें उन्हें सर आंखों पर बिठाना होगा। अवनी राजस्थान से आती हैं 12 साल की उम्र में वह पैरालिसिस की शिकार हो गई थी, लेकिन जिंदगी से उन्होंने हार नहीं मानी और टोक्यो पैरालंपिक में उन्होंने इतिहास रच दिया। भारत की इस बेटी पर हमें गर्व है।

टोक्यो पैरालंपिक में नौ इवेंट्स में भाग लेने के लिए 54 खिलाड़ियों का दल भेजा गया है। पैरालंपिक का आयोजन 5 सितंबर तक चलेगा। भारत में अभी तक 7 पदक जीते हैं आगे भी उम्मीद है कि पैरालंपिक खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पैरालंपिक के लिए 1972 में मुरलीकांत पेटकर ने भारत के लिए पहला पदक जीता था। भारत के ओलंपिक इतिहास पर नजर डालें तो अब तक 24 ओलंपिक खेलों में हम 35 पदक जीत चुके हैं। भारत खेलना चाहता है खेल में सबसे अधिक मौके ग्रामीण इलाकों में है। इस हालात में सरकार को खेलों पर एक ठोस नीति नीत बनानी चाहिए।

केंद्र सरकार को राज्य के सहयोग से ग्रामीण इलाकों में खेलों के मैदान का विकास, बेहतर सुविधाएं और वित्तीय व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। अगर हमारी तैयारी जमीनी स्तर पर रहेगी तो निश्चित तौर पर भारत आने वाले दिनों में ग्लोबल रैंकिंग में चैंपियन बनकर आएगा।

सरकार खेलों को बढ़ावा देती है तो भारत के युवाओं में असीमित ऊर्जा है। इस मिट्टी से हजारों ध्यानचंद, मिल्खा सिंह, नीरज चोपड़ा, अवनी लेखारा,पीटी उषा, मीराबाई चानू और पीवी सिंधु की फौज तैयार होगी।

अब वक्त आ गया है जब खेलों पर सरकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। खेलों को स्कूली पाठ्यक्रमों में भी शामिल करना चाहिए। खेल शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। उम्मीद है कि सरकार इस पर ठोस कदम उठाएगी।

संपादकीय

अमेरिकी मिशन खत्म

अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी हो गई है। 30 अगस्त की रात काबुल एयरपोर्ट से आखिरी अमेरिकी विमानों ने उड़ान भर ली और इसी के साथ अफगानिस्तान में बीस साल पहले शुरू हुआ अमेरिका का युद्ध भी समाप्त हो गया। तालिबान के साथ हुए समझौते के तहत अमेरिका को 31 अगस्त से तक पूरी तरह अफगानिस्तान को छोड़ देना था। लेकिन अमेरिका चौबीस घंटे पहले ही अफगानिस्तान से निकल गया। जैसे ही अमेरिका के चार सैन्य परिवहन विमानों सी-17 ने काबुल एयरपोर्ट से उड़ान भरी, तालिबान के लड़ाकों ने जश्न में फायरिंग शुरू कर दी। काबुल एयरपोर्ट के पास रहने वाले लोगों को लगा कि शायद एयरपोर्ट पर एक और हमला हो गया है लेकिन जल्द ही तालिबान की तरफ से जारी किए गए संदेश से स्पष्ट हो गया कि ये जश्न में की गई गोलीबारी है। तालिबान समर्थकों ने ट्विटर पर लिखा- और अमेरिका चला गया, युद्ध समाप्त हुआ। अफगानिस्तान में अमेरिका के अभियान में कई सैनिकों ने जान गंवाई है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने एक फोटो शेयर की है। इसमें मेजर जनरल क्रिस डोनह्यू अफगानिस्तान के काबुल एयरपोर्ट पर अमेरिकी विमान पर चढ़ते दिखाई दे रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने लिखा है अफगानिस्तान से विदा होता आखिरी अमेरिकी सैनिक। आतंकवाद के खिलाफ 20 साल तक चली यह लड़ाई कई मुद्दों पर बहस का विषय है। पराए मुल्क में चला यह अभियान जितना जोखिम भरा था उतरा ही दिलचस्प भी। अमेरिका की अफगानिस्तान में लड़ाई ऐसी थी, जैसे अंधेरे में तीर चलाना। करोड़ों डॉलर का खर्च, कई हजार सैनिकों की जान गंवाने के बाद अब वह खौफनाक मंजर अमेरिका के लिए बीती बात हो गई है। अमेरिका के जाने के बाद अब अफगानिस्तान में फिर से तालिबान राज कायम हो गया है। काबुल में तालिबान की दस्तक देश के भविष्य का संकेत देने के लिए काफी है। अब जो हालात हैं उनसे साफ है कि अफगानिस्तान पहले के मुकाबले अब कहीं ज्यादा बड़े संकटों में घिर गया है। ज्यादा चिंता इसलिए भी है कि अब इस देश में गृहयुद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा है। और अगर एक बार गृहयुद्ध भड़क उठा तो यह इस मुल्क के लिए हर तरह से बबार्दी वाला साबित होगा। गौरतलब है कि पिछले चार महीने में तालिबान ने देश के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा जमा लिया। उसकी ताकत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल में केवल दो दिन में ही उसने छह प्रांतों को अपने नियंत्रण में ले लिया। तालिबान की ताकत के आगे अफगान सेना बिना किसी प्रतिरोध के हथियार डालती रही। यह इस बात का भी प्रमाण है कि सेना के नाम पर अफगानिस्तान के पास कुछ नहीं बचा रह गया। अमेरिका भले दावे करता रहा हो कि उसने लाखों अफगान सैनिकों को प्रशिक्षण दे दिया है और तालिबान से निपटने की सारी कलाएं सिखा दी हैं, लेकिन अगर ऐसा होता तो तालिबान लड़ाके इतनी आसानी से काबुल नहीं पहुंच जाते। ढाई दशक पहले तालिबान ने छापामार युद्ध और हिंसा से सत्ता हथियाई थी। पर इस बार उसने अलग रणनीति अपनाई। कूटनीति से काम लिया। उसने अफगान प्रशासन और सेना में पैठ बनाई। सरकारी सैन्य कमांडरों से लेकर सैनिकों तक को अपने साथ मिलाया।

देवेन्द्र झाझड़िया ने कामयाबी की मंजिल तक पहुँचने के लिए काफी कड़ी मेहनत की है

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के देवेन्द्र झाझड़िया अब तक दर्जनों पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2004 में एथेंस पैरालंपिक में देवेन्द्र ने 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद देवेन्द्र ने रियो पैरालंपिक-2016 में अपना ही बनाया विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुये 63.97 मीटर भाला फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। कतर की राजधानी दोहा में सम्पन्न हुये आईपीसी 2015 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में भारत की ओर से देवेन्द्र झाझड़िया ने रजत पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया था। यह स्पर्धा पैरालंपिक के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जाती है। इससे पूर्व झाझड़िया ने 2013 में फ्रांस के लियोन शहर में आईपीसी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के देवेंद्र झाझड़िया ने पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक)- एफ46 में सिल्वर मेडल जीत कर भारत का नाम रोशन किया है। टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने 64.35 मीटर भाला फेंक कर चांदी का तमगा अपने नाम किया है। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने इसी इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 64.01 मीटर भाला फेंका। ये दोनों ही खिलाड़ी राजस्थान के हैं। जैसे ही देवेन्द्र के रजत पदक व सुन्दर गुर्जर के कांस्य पदक जीतने की सूचना मिली तो हर ओर से बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। देवेंद्र झाझड़िया ने टोक्यो पैरालंपिक में 64.35 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए सिल्वर पदक जीता है। इसी के साथ ही देवेंद्र झाझड़िया के पास अब पैरालंपिक में पदकों की संख्या तीन हो गई है।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के देवेन्द्र झाझड़िया अब तक दर्जनों पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2004 में एथेंस पैरालंपिक में देवेन्द्र ने 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद देवेन्द्र ने रियो पैरालंपिक-2016 में अपना ही बनाया विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुये 63.97 मीटर भाला फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। कतर की राजधानी दोहा में सम्पन्न हुये आईपीसी 2015 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में भारत की ओर से देवेन्द्र झाझड़िया ने रजत पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया था। यह स्पर्धा पैरालंपिक के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जाती है। इससे पूर्व झाझड़िया ने 2013 में फ्रांस के लियोन शहर में आईपीसी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने फ्रांस के लियोन में सम्पन्न हुयी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन थ्रो में 57.04 मीटर दूरी तक थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लगातार भारत की तरफ से पदक जीतने वाले देवेन्द्र एकमात्र खिलाड़ी हैं।

आठ साल की उम्र में बिजली के करंट का शिकार होकर अपना एक हाथ गंवा देने वाले देवेंद्र झाझड़िया के लिए यह हादसा कोई कम नहीं था। दूसरा कोई होता तो दुनिया की दया, सहानुभूति तथा किसी सहायता के इंतजार और उपेक्षाओं के बीच अपनी जिंदगी के दिन काटता लेकिन हादसे के बाद एक लंबा वक्त बिस्तर पर गुजारने के बाद जब देवेंद्र उठा तो उसके मन में एक और ही संकल्प था और उसके बचे हुए दूसरे हाथ में उस संकल्प की शक्ति देखने लायक थी। देवेंद्र ने अपनी लाचारी और मजबूरी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। कुदरत के इस अन्याय को ही अपना सम्बल मानकर हाथ में भाला थाम लिया और एथेंस पैरालंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत कर वो करिश्मा कर दिखाया जिसका ख्वाब हर कोई देखता है।

दराजस्थान में चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के छोटे से गांव जयपुरिया की ढाणी में एक साधारण किसान रामसिंह के घर 10 जून 1981 को जन्मे देवेंद्र किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। सुविधाहीन परिवेश और विपरीत परिस्थितियों को देवेंद्र ने कभी अपने मार्ग की बाधा स्वीकार नहीं किया। गांव के जोहड़ में देवेंद्र ने लकड़ी का भाला बनाकर खुद ही अभ्यास शुरू कर दिया। कॉलेज में पढ़ते वक्त बंगलौर में राष्ट्रीय खेलों में जैवलिन थ्रो और शॉट पुट में पदक जीतने के बाद तो देवेंद्र ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1999 में राष्ट्रीय स्तर पर जैवलिन थ्रो में सामान्य वर्ग के साथ कड़े मुकाबले के बावजूद स्वर्ण पदक जीतना देवेंद्र के लिए बड़ी उपलब्धि थी। देवेंद्र के ओलंपिक स्वप्न की शुरूआत हुई 2002 के बुसान (दक्षिण कोरिया) एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने के साथ। इसके बाद 2003 के ब्रिटिश ओपन खेलों में देवेंद्र ने जैवलिन थ्रो, शॉट पुट और ट्रिपल जम्प तीनों स्पधाओं में सोने के पदक अपनी झोली में डाले। देश के खेल इतिहास में देवेंद्र का नाम उस दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा गया जब उन्होंने 2004 के एथेंस ग्रीस पैरा ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। 2006 में मलेशिया के कुआलालमपुर में आयोजित फेसपिक गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। 2007 के वर्ल्ड गेम्स में रजत पदक व 2009 के वर्ल्ड गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। देवेंद्र झाझड़िया ने दुबई में संपन्न छठी फैजा इंटरनेशनल चैंपियनशिप की भाला जैवेलियन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। देवेंद्र की कामियाबियों पर उन्हें 3 दिसम्बर 2004 को राष्ट्रपति ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया था। 2004 में महाराणा प्रताप राज्य खेल पुरस्कार मिला। 29 अगस्त 2005 में वह अर्जुन अवार्ड से नवाजे गए। 2005 में उन्हें पीसीआई उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार मिला। 2014 में पद्मश्री और पैरा स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर अवार्ड मिला। 2016 में जीक्यू मैगजीन की ओर से वह बेस्ट प्लेयर के अवार्ड से नवाजे गये। 29 अगस्त 2017 को खेलों में देश का सबसे बड़ा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड उन्हें मिला। भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और अपनी मां जीवणी देवी को अपना आदर्श मानने वाले देवेंद्र की झोली आज पदकों-पुरस्कारों से भरी पड़ी है और देवेंद्र कामयाबी के इस आसमान पर खड़े होकर भी अपनी मिट्टी को सलाम करते हैं। खेलों के सिलसिले में दर्जनों देशों का सफर कर चुके देवेंद्र को सुकून तब मिलता है जब वे गांव आने के बाद अपने खेल जीवन की शुरूआत में कर्मस्थली बनी गांव के जोहड़ की मिट्टी में अभ्यास करते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

कांग्रेस में सड़कों पर संघर्ष करने वालों की उपेक्षा

-लीडरशिप को अवसर देने में संकोच किसी भी राजनीतिक दल में कार्यकर्ता इसी आशा और विश्वास के साथ पार्टी की सेवा करता है कि पार्टी उसे उसके संघर्ष के एवज में संगठन में पदोन्नति देगी, सम्मान देगी। लेकिन सड़कों पर संघर्ष करने वालों की जब पार्टी उपेक्षा करती है तो फिर या तो विरोध होता है या फिर कोई बागी बनता है। यह सच है कि हर किसी को पार्टी संतुष्ठ नहीं कर सकती पर कार्यो के आधार पर पदोन्नति संघर्ष करने वाले कार्यकर्ता का अधिकार बनता है। घर बैठे लोगों को पदोन्नति और सड़कों पर संघर्ष करने वालों की उपेक्षा कभी किसी दल का मजबूत संगठन खड़ा नहीं कर सकते। मेहनत करने वालों की जगह घर बैठनें वालों को अवसर देने से कार्यकर्ता का मनोबल कमजोर होता है और वह भी इतने समर्पण, निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं देना बंद कर देता है। कुछ इसी तरह की घटना गत दिवस मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के चयन में देखने मिला।

उल्लेखित है कि दो-तीन माह पूर्व मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती माडवी चैहान कोरोना महामारी के चलते दिवंगत हो गई थी। जिसके कारण प्रदेश अध्यक्ष का पद खाली हो गया। इस पद के लिये श्रीमती रश्मि शर्मा, श्रीमती विभा पटेल, श्रीमती अंजु जैसवाल, श्रीमती नूरी खान का नाम प्रबल दावेदारों के रूप में गिना जा रहा था। परन्तु कांग्रेस हाई कमान ने किसके सुझाव पर किस रणनीति के तहत प्रदेश महिला कांग्रेस की सन-2010 से 2015 के मध्य प्रदेश अध्यक्ष रही श्रीमती अर्चना जैसवाल को दूसरी बार इस पद पर पदस्थ कर दिया। जिसे देखकर कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता आश्चर्य चकित महसूस कर रहा है। क्योंकि श्रीमती जैसवाल जो इंदौर महापौर चुनाव हारने के पश्चात सक्रिय राजनीति में अपनी औपचारिकता पूरी कर रही थी। उनको अचानक दूसरी बार यह अवसर देना कांग्रेस के किसी भी कार्यकर्ता के गल नहीं उतर रहा है। जिन लोगों के नामों की चर्चा थी उनमें से किसी एक को मनोनीत किया जाता तो कांग्रेस के भीतर सवाल खड़े नहीं होते। पैराशूट से लाकर श्रीमती जैसवाल को दूसरी बार प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत करना कांग्रेस के भीतर एक नये अंसतोष के साथ यह भी साफ हो गया कि पार्टी के लिये आप कितना ही संघर्ष करें उसका कोई महत्व नहीं है होगा वहीं जो बड़े नेता चाहेगें।

स्मरणीय है कि प्रदेश अध्यक्ष की दौड में प्रबल दावेदार के रूप में उभरी उज्जैन निवासी श्रीमती नूरी खान वह महिला कांग्रेस नेता है जिन्होंने कांग्रेस के लिये पुलिस के डंडे खाये, जेल गई, उन पर केस लादे गये जब वह सिंधिया के उज्जैन भ्रमण पर उनका विरोध करने सड़कों पर आई तो पुलिस उनके घर घुस गई उनके साथ अभ्रदता की, घसीटते हुए गाड़ी में बैठाया गया। कोराना महामारी में पीड़ित मरीज को जब वाहन नहीं मिल रहे थे तो उन्होने खुद ड्राईविंग करते हुए मरीज को अस्पताल तक पहुंचाया, जरूरतमंद गरीब जो फुटपाथ पर जीवन जीते है उन्हें खाना वितरित किया। कोरोना महामारी में मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर तक उपलब्ध कराने का काम उनके द्वारा किया गया। कोरोना भय से जहां कांग्रेस के नेता विशेषकर महिलायें घर में बैठी थी तब इस महिला नेता ने जोखिम लेते हुए सड़कों पर आकर अपने दायित्वों का निर्वाहन किया। जिसके चलते उन्हें राज्य सरकार की बदले की भावना का शिकार भी होना पड़ा। उनके इस कार्य को भोपाल से लेकर दिल्ली तक बैठे कांग्रेस के नेता अच्छी तरह जानते है। पर नतीजा क्या निकला। प्रदेश अध्यक्ष उनको बनाया गया, जिनका कोरोना की प्रतिकूल परिस्थितियों में सडक पर कोई संघर्ष नहीं था।

श्रीमती खान के साथ यह भेदभावपूर्ण व्यवहार कांग्रेस के तथाकथित नेताओं द्वारा इसलिये किया गया क्योंकि वह मुस्लिम समाज से आती है और उनको यदि प्रमुख पद दिया जाता है तो बीजेपी को अवसर मिलेगा। यह बात कोई और नहीं कांग्रेस के नेता दबी जुबान से बोल रहे है। अगर मेहनत के बाद भी उन्हें इसलिये प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत नहीं किया गया क्योंकि वह मुस्लिम है तो इससे ज्यादा संकीर्ण सोच किसी राजनैतिक दल की क्या हो सकती है। कांग्रेस को अपने संगठन में जितने मुस्लिम पदाधिकारी है सबकों बाहर कर देना चाहिये क्योंकि बीजेपी मुद्दा बनाती है। ऐसे बेतुके फैसले ने ही कांग्रेस के वोट बैंक को भारी क्षति पहुंचाई है। दलित हो या आदिवासी या मुस्लिम इनको जब भी पद देने की बात आती है तो तरह तरह के तर्क दिये जाते है। बडा सवाल प्रदेश कांग्रेस से यह भी है कि एक समय हरबंशसिंह उसके बाद अजयसिंह राहुल को कांग्रेस ने कौन से वोट बैंक के तहत विधानसभा सदन में प्रतिपक्ष का नेता बनाया था। कौन सा उन्होंने लाभ कांग्रेस को दिलाया। जो अपनी सीट ही नहीं बचा पाये चुनाव में वो सत्ता की सारी मलाई चाटते रहे। जबकि उनका समाज आज की तारीख में खुलकर भाजपा के साथ खड़ा दिखाई पड़ता है। मध्यप्रदेश में लगभग 40 सीटें ऐसी है जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते है। वहीं कई सीटों पर इनके मतदाताओं की संख्या कम है पर चुनाव परिणाम को प्रभावित करने की वह क्षमता रखते है।

बहरहाल जिस तरह से प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद पर श्रीमती जैसवाल का मनोनयन किया गया इसका पार्टी के भीतर कार्यकताओं में एक ही साफ संदेश गया है कि आप डंडे खाओं, जेल जाओं, जान जोखिम में डालों इसका कांग्रेस के बड़े नेताओं के समक्ष कोई महत्व नहीं।

वह अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने ऐसे निर्णय लेगें जिससे उनका भला हो, लेकिन पार्टी का नुकसान हो जाये। कांग्रेस हाई कमान हमेशा सेकेण्ड लाईन लीडरशिप को कार्य करने का अवसर नहीं देता। उनको खड़ा नहीं होने देता। उसी का परिणाम है कि आज कांग्रेस दिल्ली से लेकर भोपाल तक अनेक मोर्चो पर अपने राजनीतिक उद्देश्य को प्राप्त करने में विफल साबित हो रही है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खबर एक नजर

गुरूग्राम के इसलामपुर गाँव में धूम धाम से मनाया गोगा जाहरवीर का उत्सव

संवाददाता, गुरूग्राम। गुरूग्राम में इस्लामपुर गांव में गोगा जाहरवीर का उत्सव। मनाया गया। गूगा की छड़ी निकाली गई भगतो ने छड़ी को लेकर उच्ची उच्ची छलांग लगाकर यह सिद्ध कर दिया कि गुगा पीर में सवशक्तिमान है। एक भक्त जो छड़ी ले रहा था वह इतनी भारी छड़ी लेकर नाच रहा था। कुछ बेल से अपने शरीर को मार रहे थे। जिससे देखनेवालों को अदृश्य शक्ति का अहसास हो रहा था। जोस भी आ रहा था। वहा पर उपस्थित भक्त संजय लोकल निवासी से बात की उन्हीने बताया कि सारा गांव गूगा पीर को मानता है उन्हीने आगे बताया कि गोगा जी का जन्म चढ़ते भाद्रपद को राजस्थान के ददरेवा नामक गांव में हुआ था। जो सादुलपुर के निकट पड़ता है। इनकी माता का नाम बाछल तथा पिता का नाम जेवर सिंह था जो बहुत ही व्यापक राजा थे। बाबा जाहरवीर का जन्म होते ही प्रकृति मानो ऐसी प्रतीत हो रही थी, कि जैसे बाबा जाहरवीर के जन्म की तैयारियों में खुद को सजाए बैठी थी।जाहरवीर का गोगा जी नाम इस तरह पड़ा, कि जब वह गुरु गोरखनाथ के पास पुत्र प्राप्ति का वरदान लेने गई थी, तब उनके भाग्य में पृथ्वी पर सातों जन्म तक कोई भी संतान उत्पत्ति होना नहीं लिखा था, तब गुरु गोरखनाथ जी ने समुद्र में पाताल लोक जाकर नाग नागिन से गूगल मांगा, जो पदम नगर तारी नाग और नागिन के पास था, जब गुरु गोरखनाथ ने वह गूगल मांगा, तो उन्होंने गूगल देने को साफ मना कर दिया, इस पर गोरखनाथ जी ने उन्हें बीन के नशे में नशा कर गूगल को चुरा कर ले आए थे। और वह गूगल माता बाछल को दे दिया था। तब से जाहरवीर का नाम गोगाजी पड़ा ।गोगाजी का विवाह कुंतल देश की महारानी रानी सीरियल से हुआ था। रानी सीरियल को गोगाजी सुपर में देखा था। और स्वप्न में ही रानी सीरियल के साथ 3 फेरे ले लिए थे। और तब से ही गोगा जी महाराज अर्ध विवाह के और जब यह बात का पता चला, तो रानी बाछल ने कहा यह सब शोभा नहीं देता क्षत्रिय कष्ट के लिए तो इस पर माता बाछल ने गोगा जी को बहुत ही धमका गोगा जी एक बार अपने महल में आराम कर रहे थे। तथा रानी सीरियल ददरेवा सरोवर में स्नान के लिए गई थी, और रास्ते में उनके मौसेरे भाई अर्जुन सर्जन ने रानी सीरियल के साथ दुष्ट विवाह करना चाहते थे, जब ये बात पर जाहरवीर को पता चला तो उन्होंने अपने अर्जुन सर्जन को मृत्युदंड दे दिया और यह बात जब जाहरवीर की माता बाछल को पता चला, उन्होंने जाहरवीर को श्राप दे दिया और कहा जा मुझे कभी भी अपना मुंह मत दिखाना, माता बाछल के श्राप को शिरोधार्य करके पाताल लोक अपने गुरु गोरखनाथ जी के पास जाकर समा गए थे। तथा तभी से उस स्थान को गोगामेड़ी माना जाता है ।गोगामेड़ी पर मेला लगते भाद्रपद नवमी को गोगा जी के जन्म के दिन मेला लगता है। जो राजस्थान के जिला सालासर में बांद्रा के निकट पड़ती है। उसी को गोगामेड़ी कहते हैं।

श्री गोपाल गौशाला परिसर में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन

» (एजेंसी)

झुंझुनूं। श्री गोपाल गौशाला के तत्वाधान में गौशाला परिसर में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन 1 सितम्बर बुधवार को जिला प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष प्रमोद खण्डेलिया एवं सचिव नेमी अग्रवाल ने किया। श्री गोपाल गौशाला के पीआरओ डॉक्टर डीएन तुलस्यान ने बताया कि शिविर में कोविशिल्ड की प्रथम व द्वितीय डोज 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 290 व्यक्तियों को लगाई गई जिसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऑन ड्युटी एनम का शिविर में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए श्री गोपाल गौशाला की और से गिफ्ट हैम्पर भेंट कर सम्मान भी किया गया। शिविर में अध्यक्ष प्रमोद खण्डेलिया, सचिव नेमी अग्रवाल, प्रहलाद अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, आशीष तुलस्यान, विनोद गोयनका सहित अन्य गौ-भक्तों ने सहयोग किया।

आनंद प्रकाश 'आर्टिस्ट' की सेवानिवृति पर डा. तेजिंदर ने किया 'आनंद प्रकाश आर्टिस्ट अभिनन्दन ग्रन्थ' भेंट

» (एजेंसी)

■ अभिनन्दन समारोह में हरियाणा के वरिष्ठ साहित्यकारों ने किया सम्मान

भिवानी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांगा में बतौर प्राध्यापक हिन्दी सेवारत हरियाणा के वरिष्ठ साहित्यकार आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' 58 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हो गए। इनकी सेवानिवृत्ति पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांगा में विदाई समारोह तथा इनके आवास अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय में प्राचार्य डा. निहाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित विदाई समारोह में शिक्षाविद एवं वरिष्ठ साहित्यकार डा तेजिंदर मुख्य अतिथि रहे। विद्यालय की छात्राओं ने अभिनन्दन-गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' व उनकी धर्मपत्नी को विद्यालय परिवार की और से उपहार भेंट किए गए। प्राचार्य ने पगड़ी पहनाकर इनका सम्मान किया तथा इन्हें शिक्षक-शिरोमणि' की मानद उपाधि से अलंकृत करते हुए प्रमाण-पत्र भेंट किया। विद्यालय के संस्कृत प्राध्यापक डा रामचंद्र 'सज्जन' ने स्वरचित 'आनंद प्रकाश आर्टिस्ट अभिनन्दन-गीत' की प्रति इन्हें भेंट की। विद्यालय के अंग्रेजी विषय के प्राध्यापक रविकांत रवि, गणित अध्यापक राजकुमार शर्मा और आयोजन में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए करतार सिंह जाखड़, प्रवक्ता अंग्रेजी राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल भिवानी ने अपने विचार रखे। विद्यालय के गणित प्रवक्ता हरीश अरोड़ा ने स्वरचित कविता प्रस्तुत की, अंग्रेजी प्रदीप शर्मा ने गीत प्रस्तुत किया। मेजर शमशेर सिंह एडवोकेट ने चुटकुलों से मनोरंजन किया।डा. तेजिंदर ने भी हास्य-व्यंग्य की छोटी-छोटी कविताएं सुना कर सबका मनोरंजन किया। आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' ने अपने द्वारा अब तक रचित कुल 15 पुस्तकों की 35 प्रतियां (कीमत 12240 रुपए) विद्यालय के पुस्तकालय के लिए भेंट की। विद्यालय परिवार द्वारा आनंद प्रकाश व उनकी धर्मपत्नी सुनीता आनंद को फूलों से सजे रथ पर बैठा कर विद्यालय से विदा किया। इस अवसर पर श्री जयलाल दास साहित्य सदन, भिवानी में 'आनंद प्रकाश आर्टिस्ट अभिनन्दन समारोह' का आयोजन किया गया, जिसमें भिवानी शहर के शिक्षक एवं साहित्यकारों के साथ-साथ हरियाणा के दूसरे साहित्यकारों ने भी भाग लिया। आयोजन की अध्यक्षता सिरसा हरियाणा के वरिष्ठ साहित्यकार डा राजकुमार निजात ने की जबकि मुख्य अतिथि रोहतक, हरियाणा के वरिष्ठ साहित्यकार डा मधुकांत जी थे, विशिष्ठ अथिति मंडल में सिरसा से सर्वश्री प्रो. रूपदेवगुण, ज्ञान प्रकाश 'पियूष', जनक राज शर्मा, श्री राकेश जैन बंधू, बलबीर वर्मा वागीश, रोहतक से डा. रमाकांता, चरखी दादरी से डा. अशोक कुमार मंगलेश और अनीता भारद्वाज 'अर्णव' शामिल रहे। मंच संचालन डा अशोक कुमार मंगलेश और डा. अनीता भारद्वाज ने किया। इस आयोजन में डा. तेजिंदर कृत 'आनंद प्रकाश आर्टिस्ट' अभिनन्दन-ग्रन्थ का लोकार्पण हुआ और आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' को यह ग्रंथ भेट किया गया।

आनंद प्रकाश आर्टिस्ट अभिनंदन ग्रंथ का विमोचन करते वरिष्ठ साहित्यकार।

अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर छलका दर्द

ध्यान रहे कि आनंद प्रकाश ने 8 सितम्बर 1983 को शिक्षा विभाग हरियाणा में बतौर कला अध्यापक कार्यग्रहण किया था। विडम्बना रही कि शिक्षा विभाग हरियाणा में सेवा करते अपनी ओर से शत-प्रतिशत देने के बावजूद अधिकरियों द्वारा मनमर्जी से पत्रों को दबा लेने की वजह से आज भी कई मामले लंबित हैं। अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर भी इनकी प्रतिभा को दबाने का प्रयास किया है। इसका स्पष्ट उल्लेख डॉ. तेजिन्द्र द्वारा प्रस्तुत 'आनन्द प्रकाश आर्टिस्ट' अभिनन्दन-ग्रंथ में प्रमाण सहित किया गया है। अपने सेवाकाल के अनुभव को सांझा करते हुए आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' ने कहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए ऐसे अधिकारियों पर सतर्कता विभाग द्वारा कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए, जो अपने अधिकार-क्षेत्र के मामले निपटाने में तो रुचि नहीं लेते हैं और अधिकार-क्षेत्र से बाहर जाकर दबंगई दिखाते हैं और अपने किसी कर्मचारी की किसी अन्य विभाग से सम्बंधित शिकायत को दबाते हैं।

पोस्टिक आहार हमारे जीवन का आधार: एसडीएम ब्रह्म प्रकाश

» (एजेंसी)

सिवानी मंडी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सितंबर को पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा जिसका शुभारंभ आज उपमंडल अधिकारी ब्रह्मप्रकाश ने नारियल फोड़कर किया । बताया कि हमारे स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिए संतुलित आहार लेना बहुत जरूरी है उन्होंने कहा कि हमारे आस पास होने वाले फलदार सब्जियों और अन्य चीजों का अपने खाने में प्रयोग करें ताकि हमारा स्वास्थ्य सही रहे उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने खुद के स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने बच्चों का जरूर ध्यान रखें ताकि कुपोषण का कोई शिकार ना हो उन्होंने कहा कि कुपोषण एक ऐसी बीमारी है जिस कारण हर वर्ष अनेक बच्चों की मृत्यु हो जाती है इसे खत्म करने के लिए हमे सभी को मिलकर जन आंदोलन के रूप में कार्य करना होगा उन्होंने कहा कि इसमें सभी आंगनवाड़ी वर्कर ,हेल्पर एवं अन्य विभाग के सभी कर्मचारियों एवं गांव के ग्रामीणों का सहयोग जरूरी है। उपमंडल अधिकारी ने कहा कि इस पूरे माह को पौधारोपण,रेसिपी प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, नाटक, एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को जागरूक करे । महिला महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अनीता खुराना ने बताया कि सितंबर माह को विभाग द्वारा पोषण माह के अंतर्गत मनाया जाता है जिसमें आंगनवाड़ी वर्करों द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियां गांव ओर खंड स्तर पर आयोजित की जाती हैं इस अवसर पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी विनीत कुमार, सुपरवाइजर इंदु बाला, सुनीता, सुशीला ,बिमला, प्रियंका, अभिषेक अग्रवाल, मनीष कुमार बीर सिंह एसीपि ओ उदय भान ,मनोज कुमार एवं खंड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रही ।

राव अभय सिंह जी महज एक रूपया वेतन लेते थे

» (एजेंसी)

रेवाडी। क्षेत्र के प्रथम विधायक स्र्व. राव अभय सिंह की जन्म जयंति पर पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव व विधायक चिरंजीव राव ने कार्यकताओं के साथ राव अभय सिंह चौक पर बनी उनकी प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर श्रृद्वांजलि दी। श्री यादव ने कहा कि मेरे पिता जी स्र्व राव अभय सिंह जी कि इच्छा थी कि समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद लोगों की पूर्ण निष्ठा के साथ सेवा की जाए। उनकी धर्मनिरपेक्षता, समाजिक सदभाव व शांति की विचारधारा में गहरी आस्था थी। हम सभी उनके दिखाए रास्ते पर ही चल रहे हैं। वे मिलनसार व्यक्ति थे और उनकी साफ सुथरी छवि के कारण ही आज हमारी तीसरी पीढी जनता की सेव कर रही है। विधायक चिरंजीव राव ने बताया कि अहीरवाल क्षेत्र में स्र्व राव अभय सिंह ऐसे नेता रहे थे जिनका नाम आज भी सम्मान से लिया जाता है। राव अभय सिंह जी महज एक रूपया वेतन लेते थे। उन्होंने बताया कि मेरे दादाजी राव अभय सिंह ने इस क्षेत्र के लिए बहूत से कार्य किए। रेवाडी के लिए मसानी से पानी लाने का काम, नारनौल रोड का निमार्ण इत्यादि उनमें से महत्वपूर्ण कार्य हैं। चिरंजीव राव ने कहा कि आज के दिन बाउजी राव अभय सिंह जी को स्मरण करते हुए हमें यह शपथ लेनी चाहिए कि इनके बताये मार्ग का अनुसरण करते हुए सेवा भावना से आमजन की खुशहाली के लिए कार्य करेंगे। हम सभी अपने अहम् और स्वार्थ को त्याग कर एक आदर समाज की स्थापना करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है जो कि राव अभय सिंह जी को हमारी सच्ची श्रद्धाजंलि होगी। इस मौके पर पूर्व मंत्री एम एल रंगा ने भी अपने विचार रखे।

सर्व कर्मचारी संघ ने की एनएमपी नीति रद्द करने की मांग

» (एजेंसी)

करनाल। सर्व कर्मचारी संघ ने राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) नीति रद्द करने की मांग की है। बुधवार को फव्वारा पार्क के योगा शैड में सभा का आयोजन किया गया। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। मांगों का ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। अध्यक्षता जिला प्रधान मलकीत सिंह ने की व संचालन सह सचिव सुशील गुर्जर ने किया। मलकीत सिंह व सुशील गुर्जर ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल ही में सार्वजनिक स पत्ति को राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन नीति के तहत लीज पर देकर आने वाले चार सालों में छह लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इनमें मु य रूप से 26700 किलोमीटर सड़के, 400 रेलवे स्टेशन व 150 ट्रेन, 42300 किलोमीटर लंबी पावर ट्रांसमिशन लाइन, 8000 किलोमीटर नेशनल गेस पाइप लाइन, 5000 मेगावाट पावर जनरेशन, 4000 किलोमीटर ऑयल पाइप लाइन, एमटीएनएल व बीएसएनएल के टावर, 160 कोयला प्रोजेक्ट के साथ हवाई अड्डे, बंदरगाह, स्टेडियम, वेयरहाउस व अर्बन रियल एस्टेट की बेशकीमती स पतियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फेडरेशन व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का स्पष्ट कहना है कि सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सीधे जनता की मेहनत की कमाई व टैक्स पेयर्स के पेसों की खुली लूट है। वह देश की जनता के खून-पसीने की कमाई से बने सार्वजनिक क्षेत्र व उसकी स पतियों को कौडियों के भाव अपने देशी व विदेशी चहेते पुंजीपतियों को देना चाहती है। इससे जहां भ्रष्टचार को बढ़ावा मिलेगा वहीं समान विकास भी प्रभावित होगा। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने मांग की है कि राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन नीति को तुरन्त रद्द किया जाए। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण व स पतियों को लीज पर देने की बजाए पब्लिक सेक्टर का विस्तार कर जनता को बेहतर सुविधाएं व बेरोजगारों को स्थाई रोजगार देने की नीति बनाई जाए। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण चंद शर्मा, शारदा, सुरेश, सेवाराम, भाग सिंह, अनिल सैनी, कृष्ण निर्माण, रमेश शर्मा, अनिल सैनी, राजेंद्र राणा, अजीत, रमेश, जयपाल, राजपाल व अजय ने कर्मचारियों को संबोधित किया।

लीडर भजन पार्टी तेजराम हुए सेवानिवृत, पगड़ी बांधकर सम्मानित कर दी भावभिनी विदाई

» (एजेंसी)

पलवल। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय पलवल में कार्यरत लीडर भजन पार्टी तेजराम ने अपनी करीब 19 वर्ष की लंबी सेवाएं देने के बाद बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनकी विदाई पर कार्यक्रम का आयोजन पुराने कोर्ट परिसर में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में किया गया। जहां जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेंद्र बजाड ने तेजराम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। डीआईपीआरओ सुरेंद्र बजाड ने कहा कि तेजराम ने पूर्ण कर्तव्य व निष्ठद्दा के साथ अपनी नौकरी पूरी की है। वे हमेशा पूरे स्टॉफ के साथ मिलजुल कर रहे हैं। उन्होंने अपनी ड्यूटी के लगभग 15 साल जिला फरीदाबाद में तथा पिछले 4 वर्षों से पलवल जिले में अपनी सेवाएं दी हैं। कर्मचारियों ने कार्यालय में बिताए तेजराम के कार्यकाल को सांझा किया। कर्मचारियों ने कहा कि तेजराम ने अपनी ड्यूटी को प्राथमिकता से किया। उन्होंने तेजराम के मंगलमय और सुखमय व्यक्तिगत जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। तेजराम ने लीडर भजन पार्टी के पद पर 2003 में अपनी सेवाएं आरंभ की थीं। तेजराम ने भी अधिकारी तथा अपने सभी साथी कर्मचारियों का आभार जताया। विभाग के सभी कर्मचारियों ने तेजराम को फूलमाला पहनाकर व पगड़ी बांधकर सम्मानित कर भावभिनी विदाई दी। इस अवसर पर मीडियाकर्मी मोहन सिंह, गिर्राज सिंह, दिनेश सहरावत, कुलवीर चौहान, सेवानिवृत लेखाकार रमेश जाजोरिया, छिद्दी सिंह, आईसीए राजबीर, लिपिक विनोद कुमार, लीडर भजन पार्टी राजाराम, विक्रम सिंह, खंड प्रचार कार्यकर्ता हरीचंद, महेश, विजेंद्र सिंह डागर, हेतराम सौरोत, चालक सूरज, देवेंद्र तेवतिया, हरकेश, अनिल शर्मा सहित कार्यालय के अन्य सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज, भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन और परिवार पहचान पत्र विधेयक के विरोध में रोष प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम रेवाडी को ज्ञापन सौंपा

» (एजेंसी)

रेवाडी। पूर्व मंत्री कैप्टेन अजय सिंह यादव के नेतृत्व में रेवाडी विधायक चिरंजीव राव, पूर्व मंत्री एम एल रंगा व कांग्रेसी पदाधिकारियों और समर्थकों ने भाजपा सरकार द्वारा गत 28 अगस्त को करनाल में इस दौरान कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर भढास निकाली। कैप्टेन अजय सिंह ने कहा कि हरियाणा की भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार अपने तानाशाही रवैये के चलते लगातार जनविरोधी निर्णय ले रही है। यह सरकार विपक्षी दलों, किसानों, मजदूरों और आम जनता की आवाज दबाने के लिए हर प्रकार के हथकंडे अपना रही है। भाजपा सरकार ने गत 28 अगस्त को किसानों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज करवाया, हरियाणा सरकार का अन्नदाताओं के साथ यह व्यवहार बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। शांतिप्रिय तरीके से विरोध कर रहे किसानों को जानवरों की तरह दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। दर्जनों लहूलुहान हो गए और सैकड़ों को चोटें आईं। उन्होंने कहा कि करनाल में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सार्वजनिक वीडियो से यह साफ है कि मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से किसानों के सिरों पर लाठियां बरसाकर कातिलाना हमला करने का आदेश दिया था। जिस तरह से निहत्थे लोगों पर जलियांवाला बाग में अंग्रेजों ने गोलियां चला दी थी यह घटना भी उससे कम नही है। श्री यादव ने महामहिम राज्यपाल से निहत्थे किसानों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज करवाने वालों के विरुद्ध उचित कार्यवाही करने की मांग की है ताकि कोई भी दोबारा ऐसा बर्बरतापूर्ण कार्य न करे। विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन करके भाजपा-जजपा सरकार ने किसानों की बबार्दी का फैसला लिया है। आज किसानों को उनकी फसलों के सही दाम नहीं मिल रहे हैं। किसान कर्ज के तले दबे जा रहे हैं और लगातार आत्महत्या कर रहे हैं लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। हरियाणा सरकार ने हरियाणा की विधानसभा में वर्ष 2013 में यूपीए सरकार द्वारा बनाए भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन के जरिए किसानों की बबार्दी का फैसला लिया है। यह भाजपा-जजपा सरकार द्वारा अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने की साजिश का एक हिस्सा है। पहले जमीन अधिग्रहण के लिए 70 प्रतिशत किसानों की सहमति जरूरी थी, लेकिन अब जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों से सहमति नहीं ली जाएगी। इससे बडा अत्याचार किसानों के साथ और क्या होगा कि उनकी जमीन बिना उनकी सहमति के छीन ली जाएगी। वहीं पूर्व मंत्री एम एल रंगा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार द्वारा लाये गये परिवार पहचान पत्र विधेयक से लोगों की निजता का हनन होगा।इस योजना के तहत लोगों का सारा डाटा जैसे आधार नंबर, फोन नंबर, बैंक अकाउंट नंबर आदि निजी कंपनी के हाथो में होगा और जिसके चोरी होने की पूरी सम्भावना है। जिस प्रकार केंद्र की भाजपा सरकार पेगासस के माध्यम से देश के उच्च पदासीन अधिकारियों, विपक्षी दल के नेताओं, जजों आदि की जासूसी करके राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड कर चुकी है तो इस बात की कौन गारंटी देगा की परिवार पहचान पत्र के तहत दी गयी जानकारी लीक नहीं होगी। इस विधेयक से हरियाणा के लोगों को न केवल आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है बल्कि निजता के अधिकारों का भी हनन होगा। अपने दिए गए ज्ञापन में कांग्रेसी नेताओं ने महामहिम राज्यपाल से मांग की है कि विधेयक आपके पास मंजूरी के लिए आए तो आप इन्हें नामंजूर कर दें व जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार को इन विधेयकों को तुरंत प्रभाव से रद्द करने के आदेश जारी करें। इस मौके पर पार्षद नरेश हजारीवास, पार्षद मोनु राव, अशोक सरंपच मीरपुर, युथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष भरत सिंह तोंगड, नरेश शर्मा ब्लाक समिति मेंबर, सुशील पटवारी, रामाअवतार बूढला पूर्व चेयरमैन, विपिन धारूहेडा, जयवीर यादव, चंद्रहास चेयरमैन, सुमेर जैलदार, ईश्वर महलावत, धर्मवीर सरपंच मुंडनवास, लक्की सरपंच बखापुर, जगदीश चेयरमैन, दलबीर पूर्व पार्षद सुलखा, धौली गोलचक्कर, रजनीकांत यादव बूढपुर, सोनू शर्मा, दीपु खडगवास, डा. विपिन शर्मा, संदीप डोहकी, पवन कतोपुर इत्यादि मौजूद रहे।

भण्डारे में भक्तों ने जमकर कारसेवा की

» (एजेंसी)

नूंह/मेवात। नूंह के पंगल बाबा मंदिर प्रांगण में बुधवार को भण्डारे का आयोजन किया गया। बरसात के बावजूद भी भक्तों का सैलाब उमड रहा था और कारसेवक भी सेवा करने में एक मिशन के तौर पर जुटे हुए थें। प्रबंधन की तरफ से एक दिन पूर्व जहावीर गोगा जी की झांकियों का आयोजन के अलावा रात्रि में बाबा का जागरण में बाबा के सुन्दर-सुन्दर भजनों से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया और बुधवार को लंगर प्रशाद में सभी ने प्रशाद ग्रहण किया। इस मौके पर सभी बिरादरी के लोगों ने भेदभाव खत्म कर बाबा का गुणगान किया और सभी कार्यक्रम में जमकर सहयोग दिया।

मुख्यमंत्री आज बुदनी में कई विकास और निर्माण कार्यों का करेंगे शिलान्यास एवं लोकार्पण

होशंगाबाद के हितग्राहियों से करेंगे संवाद

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार, दो सितंबर को बुदनी और आंवलीघाट में अनेक निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही वे अनेक हितग्राही मूलक योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान आंवलीघाट ब्रिज के पास सिवनी-मालवा के ग्राम हथनापुर में आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों से संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान सुबह 11.30 बजे भोपाल से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर 11.55 बजे बुदनी पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। बुदनी से 2.45 बजे सलकनपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 3.15 बजे आंवलीघाट कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान आंवलीघाट ब्रिज के पास होशंगाबाद की तहसील सिवनी-मालवा के ग्राम हथनापुर में आयोजित कार्यक्रम में होशंगाबाद के हितग्राहियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान 5.30 बजे सलकनपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

निवेशकों और उद्योगों को हर जरूरी सुविधा मुहैया कराएंगे

मुख्यमंत्री से मिले सागर ग्रुप के चेयरमैन अग्रवाल

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश की बड़ी संभावना है। प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान से बुधवार को मंत्रालय में सागर ग्रुप के चेयरमैन सुधीर कुमार अग्रवाल ने मुलाकात कर प्रदेश में निवेश संबंधी चर्चा की। श्री अग्रवाल ने बताया कि टेक्सटाइल के क्षेत्र में सागर ग्रुप द्वारा प्रदेश में 1000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जिसमें लगभग 4,000 लोगों को सीधा रोजगार मिला है। सागर ग्रुप भोपाल में होशंगाबाद रोड पर एक मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल भी शीघ्र ला रहा है, जिससे लगभग 1000 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकेगा। ग्रुप प्रदेश में टेक्सटाइल सेक्टर, खाद्य प्र-संस्करण सेक्टर, रियल एस्टेट और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आश्वस्त किया कि सरकार द्वारा निवेशकों एवं उद्योगों को हर आवश्यक सुविधा एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

नंबर-वन इंदौर, एक बार फिर बाजी मारकर बना नंबर-वन

उपलब्धि का श्रेय अधिकारियों के साथ इंदौरियों को भी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के गृह मंत्री और इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने नंबर-वन इंदौर को वैक्सीनेशन में भी नंबर-वन बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इसका श्रेय अधिकारियों के साथ ही समस्त इंदौरियों को दिया है, जिन्होंने वैक्सीनेशन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए शहर को देश में अव्वल बनाया है।

डॉ. मिश्रा ने कहा है कि देश में 10 लाख की आबादी वाले शहरों में शत-प्रतिशत लोगों का टीकाकरण किए जाने का महती कार्य बगैर जनता की सहभागिता और जागरूकता के संभव नहीं हो सकता था। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इंदौर के नागरिकों ने देश में वैक्सीनेशन में भी प्रथम आकर जता दिया है कि इंदौर हर क्षेत्र में अव्वल रहने का आदी होता जा रहा है। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने बताया कि इंदौर शहर के सभी नागरिकों को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लग गया है। डॉ. मिश्रा ने वैक्सीनेशन के लिए उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला अधिकारी मनीष सिंह और उनकी पूरी टीम के साथ मीडियाकर्मियों को भी बधाई दी है।

शिवराज सरकार ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण मुहैया कराने प्रतिबद्ध

भोपाल। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री सिंह ने बुधवार को यहां मीडिया से चर्चा में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग को आरक्षण के मुद्दे पर बुधवार को उच्च न्यायालय (जबलपुर) में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता जुड़े (वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए) और सरकार की ओर से पक्ष रखा। राज्य के महाधिवक्ता पुरुषेंद्र कौरव ने भी सरकार का पक्ष रखा। दोनों ने अनेक दृष्टांत देते हुए अनुरोध किया कि इस वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। ओबीसी वर्ग से आने वाले श्री सिंह ने दोहराते हुए कहा कि सरकार ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण मुहैया कराने के मामले में पूरी तरह गंभीर और प्रतिबद्ध है। यदि कोई कठिनाई आई तो वह उच्चतम न्यायालय तक जाने में भी नहीं चूकेगी।

आबकारी विभाग में भर्ती के इंतजार में 1224 पद

खाली पदों पर भर्ती के प्रस्ताव कई सालों से विचाराधीन

भोपाल (एजेंसी)।

आबकारी विभाग में प्रथम से चतुर्थ श्रेणी तक कुल 1224 रिक्त पद भर्ती और पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं। बीते सालों में विभाग ने भर्ती के कई प्रस्ताव शासन और पीआईबी को भेजे हैं,लेकिन अब तक भर्ती प्रक्रिया नहीं हुई। आबकारी में अपर आयुक्त से लेकर फील्ड में कार्य करने वाले आरक्षक के 438 पद रिक्त हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जमीनी स्तर पर किस स्थिति में कार्य चल रहा है।

आबकारी में प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के 101 पद रिक्त हैं, जिसमें अपर आबकारी आयुक्त, आईएएस और विभागीय मिलाकर तीन पद शामिल हैं। इसी तरह उपायुक्त के स्वीकृत 11 पदों में 04 और सहायक आबकारी आयुक्त के 02 पद खाली हैं। वहीं जिला आबकारी अधिकारी के 28 पद रिक्त हैं। तृतीय श्रेणी - 993 और चतुर्थ श्रेणी - 121 पद पर भर्ती होना है। तृतीय श्रेणी में शामिल उपनिरीक्षकों के कुल रिक्त 205 पदों में से 109 पद सीधी भर्ती के हैं,जबकि आरक्षक के रिक्त कुल 438 पद रिक्त हैं।

किसी श्रेणी के कितने पद खाली

श्रेणी	स्वीकृति पद	पदस्थापना	रिक्त पद
प्रथम और द्वितीय	368	267	101
कार्यपालिक तृतीय श्रेणी	1875	1100	775
गैरकार्यपालिक तृतीय श्रेणी	646	419	227
चतुर्थ श्रेणी	423	302	121

पदोन्नति संबंधी प्रकरण भी लंबे समय लंबित

सबसे अधिक पद तृतीय श्रेणी में 993 पद खाली है। इन पदों में उपनिरीक्षक के रिक्त 205 पदों में से 109 पद पर सीधी भर्ती होना है, इनमें से 69 पदों का मांग पत्र शासन को भेजा गया है जबकि शेष 40 पदों का मांग पत्र नहीं भेजा गया है। आबकारी आरक्षक के 438 रिक्त पदों में से 386 पदों की पूर्ति के लिए प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड से भर्ती प्रक्रिया करवाने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति मांगी गई थी। प्रस्ताव कई साल से विचाराधीन है। कुछ पदों को पदोन्नति से भरने का प्रावधान है, लेकिन कई पदों पर पदोन्नति संबंधी एसएलपी पर प्रकरण कोर्ट में चल रहा है, कार्ट के निर्णय के बाद ही पदोन्नति समिति की बैठक होगी।

इनका कहना है

रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को शासन स्तर पर निर्धारित किया जाता है, विभाग की ओर से समय-समय पर मांग पत्र भेजे जाते हैं। रिक्त पदों की स्थिति से शासन को प्रतिवेदन के माध्यम से अवगत किया गया है।

राजीव चंद्र दुबे, आबकारी आयुक्त, मप्र

एक सितंबर को भी कई विभागों की हुई तबादला सूची जारी

भोपाल। सितंबर माह के पहले दिन भी कई विभागों की तबादला सूची जारी हुई है। जहां परिवहन विभाग की तबादला सूची में एक सितंबर 2021 तारीख दर्ज है, जबकि प्रदेश में तबादला प्रतिबंध हटाने की अंतिम अवधि 31 अगस्त निर्धारित थी। वहीं राजस्व, पीएचई, स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय एंव आवास विभाग ने 31 अगस्त की तारीख में ही तबादला सूची जारी की है। आगामी दिनों में भी कई अन्य विभागों की तबादला सूची जारी होने की संभावना है। बुधवार एक सितंबर को परिवहन विभाग ने कुल 38 अधिकारियों,कर्मचारियों की तबादला सूची जारी की है, जिसमें परिवहन उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक शामिल हैं। राजस्व विभाग ने 76 नायब तहसीलदार, पीएचई ने अक्षीक्षण यंत्री, कार्यापालन यंत्री, प्रभारी कार्यापालन यंत्री, सहायक यंत्री और उपयंत्री, नगरीय विकास एंव आवास विभाग ने नगर निगम, नगर पालिका,नगर परिषद में उपयंत्रियों और स्वास्थ्य विभाग ने डॉक्टरों के तबादलें किए है। गौरतबल है कि तबादला अंतिम अवधि के अंतिम दिन 31 अगस्त को अनेक विभागों की थाकबंद तबादला सूची जारी की थी।

मुख्यमंत्री ने की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और आयुष विभाग की समीक्षा

स्वास्थ्य लक्ष्य समय पर पूरे करें

चिकित्सकीय संस्थाओं का उन्नयन प्राथमिकता से हो

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि के लिए व्यापक पैमाने पर कार्य हुए हैं। शासकीय चिकित्सकीय संस्थाओं का उन्नयन कर विशेष रूप से आवश्यक दवाएं एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप अनुसार स्वास्थ्य के क्षेत्र में निर्धारित किए गए लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान बुधवार को मंत्रालय में आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत गठित लोक स्वास्थ्य समूह के प्रस्तुतिकरण में स्वास्थ्य, आयुष एवं चिकित्य शिक्षा विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत विभागीय लक्ष्यों एवं उनकी अभी तक हुई पूर्ति का प्रस्तुतिकरण दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान, आयुक्त स्वास्थ्य आकाश त्रिपाठी, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा निशांत बरबडे, संचालक एनएचएम सुश्री प्रियंका दास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप अंतर्गत लोक स्वास्थ्भ समूह की विभागवार समीक्षा की।

2.53 करोड़ आयुष्मान कार्डों का सत्यापन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की प्रत्येक योजना आम आदमी के लाभार्थ चलाई जाती है। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति को मिले। स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे आम नागरिक योजनाओं से अवगत होकर लाभ ले सके। बैठक में जानकारी दी गई कि आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं नामांकन के लिए ऑन लाइन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में अभी तक कुल 2 करोड़ 53 लाख आयुष्मान कार्ड सत्यापित किए गए हैं।

नर्सिंग सेंटर्स को धंधा बनाने वाले संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य का क्षेत्र मानव सेवा का क्षेत्र है। जिन नर्सिंग सेंटर्स संचालकों द्वारा मानव सेवा छोड़ अपने सेंटर्स को धन उगाही का केंद्र बना लिया है, उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही कर एफआईआर दर्ज करें। प्रदेश में हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स का उन्नयन

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ श्री सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में 5091 उप स्वास्थ्य केंद्रों का हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स में उन्नयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य का 71 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। 2850 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स की पदस्थापना हेतु चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके अलावा 1134 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर्स में उन्नयन किया जा चुका है। निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इन सेंटर्स पर 128 प्रकार की दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई हैं। निर्धारित अनिवार्य दवा सूची के अनुसार दवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जिलों को निर्देश जारी किए गए हैं।

भोपाल, इंदौर में एमबीबीएस की 100 सीटें बढ़ाई

बैठक में बताया गया कि चिकित्सा महाविद्यालयों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि की गई है। भोपाल एवं इंदौर के चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस के लिए 100 सीटों की वृद्धि की गई है। ग्वालियर, जबलपुर और सागर में सीटों में वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। बैठक में बताया गया कि आयुष हेल्थ एवं वेलनेस केन्द्रों के चिन्हांकन का कार्य 100 पूर्ण किया जा चुका है। इन सेंटर्स पर योग शिक्षकों के माध्यम से 362 केंद्रों में योगाभ्यास प्रारंभ किया गया है। भोपाल और इंदौर में आयुष सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की स्थापना का कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

डीआरडीओ की प्रयोगशाला के स्थानांतरण को दी मंजूरी

सिंधिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जताया आभार

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली में बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से व्यक्तिगत रूप से भेंट करके ग्वालियर के सिटी सेंटर क्षेत्र में स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशाला को महाराजपुरा क्षेत्र में स्थानंतरित करने की मंजूरी प्रदान करने के लिए ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर एवं स्वयं की तरफ से आभार व्यक्त किया।

ज्ञात हो कि नगरीय इलाके में स्थित होने के कारण सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रयोगशाला के 200 मीटर के दायरे में आने वाली हजारों करोड़ की संपत्ति टूटने की कगार पर थी, लेकिन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्वालियर के नागरिकों के हितों की चिंता करते हुए सिंधिया एवं सांसद शेजवलकर के अनुरोध पर प्रयोगशाला के अन्यत्र स्थापित होने को अपनी स्वीकृति प्रदान की।

इसके बाद जिला प्रशासन के द्वारा नवीन प्रयोगशाला के निर्माण के लिए महाराजपुरा ग्वालियर में 140 एकड़ भूमि प्रदान की है, जिसका कब्जा डीआरडीओ को मिल चुका है। सिंधिया ने रक्षा मंत्री सिंह से अनुरोध किया कि वह ग्वालियर पधारकर प्रयोगशाला के उक्त नए परिसर की आधारशिला रखें, ताकि ग्वालियर की जनता को आपके स्वागत एवं आभार का अवसर प्राप्त हो सके, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिंधिया को आश्वस्त किया है कि जल्दी ही वह ग्वालियर का दौरा बनाएंगे।

पिछड़ों की चिंता का ढोंग कर रही कांग्रेस

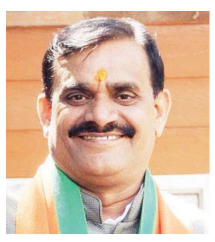

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा पिछड़ा वर्ग के लिए वकील किए जाने की बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने इसे ढोंग बताया है।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को जब पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए काम करना था, तब उसने कुछ नहीं किया। कमलनाथ जब मुख्यमंत्री थे, तब तो उन्होंने कोर्ट में अपने एडवोकेट जनरल को भेजा नहीं और न ही अदालत में कैविएट दायर की। कांग्रेस के कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे नेता जो जिंदगी भर झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करते रहे हैं, अब कह रहे हैं कि पिछड़ों के लिए बड़ा वकील करेंगे। कांग्रेस को अब कोई वकील करने की जरूरत नहीं है, जो भी करना होगा हम कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि अब प्रदेश में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश में अशांति का वातावरण बनने को लेकर श्री शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश अशांत बन नहीं रहा है, उसे बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ लोग पहले ऐसी घटनाएं करते हैं, फिर वीडियो बनाते हैं और फिर उस वीडियो को वायरल करते हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि इंदौर की घटना में पाकिस्तान का कनेक्शन निकला है। अब कमलनाथ जी को यह बताना चाहिए कि पाकिस्तान के वो लोग कौन हैं, जिनके साथ दंगे भड़काने की कोशिश करने वालों का कनेक्शन है। श्री शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश में अस्थिरता का प्रयास करने वाले लोगों की एक पूरी चेन है। यूपी में ऐसे कुछ लोगों को पकड़ा भी गया है। इस मामले में कांग्रेस की भी बड़ी भूमिका है। श्री शर्मा ने कहा कि कमलनाथ दतिया की घटना पर चुप क्यों हैं, क्यों इसे लेकर ट्वीट नहीं कर रहे हैं, क्या वे दोहरी रणनीति पर काम नहीं कर रहे हैं।

बिजली संकट पर झूठ परोस रही सरकार

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में बिजली संकट और उस पर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकारने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए सरकार को कटघरेउ में खड़ा किया है।

नाथ ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि पहले तो मध्यप्रदेश में बिजली संकट, कोयले की कमी और अघोषित विद्युत कटौती से ही जिम्मेदार इनकार करते रहे और अब कई दिनों बाद शिवराज सरकार नींद से जागी और अब खुद शिवराज जी स्वीकार रहे हैं कि प्रदेश में बिजली का संकट है, पर्याप्त आपूर्ति नहीं है, कोयले का भी संकट है, कोयले की बकाया राशि भी देना है और अघोषित कटौती भी हो रही है, लेकिन अफसोस अभी भी बिजली संकट के कारणों को लेकर झूठ परोस रहे हैं। कमलनाथ ने ट्वीट में कहा है कि सच्चाई यह है कि कोयले की भारी कमी है, उत्पादन इकाइयों पर कई स्थानों पर कोयला खत्म हो चुका है, कई स्थानों पर खत्म होने की कगार पर है, वहीं सरकार ने समय रहते कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किए, कोयले की बकाया राशि का भी भुगतान नहींकिया, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ। और अब अल्प वर्षा का बहाना बना रहे हैं, बांध खाली होने की बात कर रहे हैं, कोयला खदानों में पानी भरने की बात कर रहे हैं। यह सब अचानक तो नहीं हुआ, सरकार ने समय पर सभी आवश्यक वैकल्पिक इंतजाम क्यों नहीं किए, जिससे प्रदेश में बिजली संकट की स्थिति ही नहीं बनती। अब जब प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में और कृषि क्षेत्रों में कई दिनों से घंटों बिजली गायब है, किसान व जनता परेशान हो रहे हैं तो नींद से जागकर कह रहे हैं कि कोयले का इंतजाम कर रहे हैं, बकाया राशि का भुगतान कर रहे हैं, हरसंभव उपाय करेंगे, वैकल्पिक बिजली की व्यवस्था कर रहे हैं। जबकि यह सब तो पहले ही हो जाना चाहिए था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता भरत सिंह सोलंकी ने मीडिया से चर्चा में बोला जमकर हमला

मोदी सरकार ने छेड़ दिया है सरकारी संपत्ति बेचने का अभियान

भोपाल (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा मौद्रीकरण के नाम पर देश की कई सरकारी संपत्तियों को बेचने के निर्णय को लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है और नीति आयोग को अ.नीति आयोग बताया, साथ ही आरोप लगाया की मोदी सरकार ने जीडीपी का मतलब गैस, डीजल और की महंगाई कर दिया है, पूर्व केंद्रीय मंत्री और गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी और प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने बुधवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए यह बात कही।

श्री सोलंकी ने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अब सरकारी संपत्ति को बेचने का अभियान छेड़ दिया है। मोदी सरकार देश की बेशकीमती संपत्ति महज छह लाख करोड़ रुपए में बेचने पर आमादा है। जिनका कांग्रेस पार्टी विरोध करती है। श्री सोलंकी ने कहा कि 2008 में भी देश में आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन उस समय प्रधानमंत्री डॉ.

मनमोहन सिंह के कुशल नेतृत्व में देश को मंदी से बाहर निकाल लिया गया। मनमोहन सिंह सरकार के समय हमने उन बैंकों पर आंच नहीं आने दी जिनका राष्ट्रीयकरण इंदिरा गांधी ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में किया था। यही वजह थी कि भारत बहुत तेजी से आर्थिक मंदी से बाहर आ गया। मोदी सरकार लगातार खराब आर्थिक विकास दर के लिए कोरोना महामारी को दोषी ठहराती है। लेकिन सच्चाई यह है कि कोविड-19 और लॉकडाउन शुरू होने से पहले ही आठ तिमाहियों से भारत की अर्थव्यवस्था लगातार नीचे जा रही थी। कांग्रेस की सरकारों के समय जीडीपी का मतलब होता था ग्रास डोमेस्टिक प्रोडक्ट। लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार ने जीडीपी का मतलब कर दिया है गैस, डीजल और पेट्रोल की महंगाई। नरेंद्र मोदी सरकार जनता और मीडिया को उल्टा चश्मा पहनाने की कोशिश कर रही है। श्री सोलंकी ने कहा कि देश में पहले योजना आयोग हुआ करता था। मोदी सरकार ने योजना आयोग को समाप्त करके नीति आयोग बनाया लेकिन असल में यह नीति आयोग ना होकर अ.नीति आयोग बन गया।

श्री सोलंकी ने कहा कि हमारे गुजरात में एक कहावत है कि जिस राज्य का राजा व्यापारी होता है, वहां प्रजा भिखारी हो जाती है। नरेंद्र मोदी पूरी तरह से व्यापारी बन गए हैं और उनकी सरकार प्रजा को भिखारी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

किसी भी सूरत में राष्ट्रीय संपत्ति नहीं बिकने देगी कांग्रेस : पटवारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और मीडिया प्रभारी जीतू पटवारी ने कहा कि मोदी सरकार भारत की जनता की 60 लाख करोड़ की संपत्ति को छह लाख करोड़ में बेचने की साजिश रच रही है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने भी मध्यप्रदेश में सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्ति बेचने के लिए लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग का गठन किया है। इस विभाग का एकमात्र काम सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बेचना है। मप्र सरकार ने 5000 करोड़ रुपए के संपत्ति बेचने का लक्ष्य रखा है। दोनों नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार है। कांग्रेस पार्टी देश की जनता की गाड़ी कमाई से बनाई हुईं राष्ट्रीय संपत्तियों को किसी भी सूरत में बिकने नहीं देगी।

‘आज फिर जीने की तमन्ना है’ गाने पर नीना गुप्ता ने दिखाया अपना बोल्ड लुक

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा नीना गुप्ता खुलकर अपनी जिंदगी जीने में यकीन रखती हैं। इस उम्र में भी नीना जिस जिंदादिली के साथ अपनी जिंदगी जी रही हैं वो यकीनन कई लोगों के लिए प्रेरणा है। नीना जितना शूटिंग में बिजी रहती हैं उतनी ही वो सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। अपनी बोल्ड एंड ग्लैमरस वीडियो और फोटो एक्ट्रेस आए दिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं। नीना के वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल भीहोते हैं जिन्हें लोग बहुत पसंद करते हैं। कुछ दिन पहले एक्ट्रेस का एक डांसिग वीडियो इंटरनेट पर जबरदस्त वायरल हुआ था जिसमें वो कार्तिक आर्यन और कृति सेनन के गाने ‘कोका कोला तू’ पर डांस करती दिख रही थीं। वहीं अब नीना का एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो ‘गाइड’ फिल्म के फेमस सॉन्ग ‘आज फिर जीने की तमन्ना है’ पर लाइट मूव्स करती दिख रही हैं। इस वीडियो की खास बात ये है कि इसमें एक्ट्रेस साड़ी या फिर किसी इंडियन लुक में नजर नहीं आ रही हैं, बल्कि वो वेस्टर्न ड्रेस में बोल्ड लुक में दिख रही हैं। वीडियो में नीना एक रूम में खड़ी दिख रही हैं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक कलर की शॉर्ट ड्रेस

पहनी हुई है जिसके साथ उन्होंने ब्लैक कलर का ही स्लिंग बैग और ब्लैक कलर के ही शूज पहने हुए हैं। एक्ट्रेस वीडियो में बस हल्के-हल्के मूव्स करती दिख रही हैं। एक्ट्रेस के वीडियो पर कुछ लोग कमेंट कर के जहां उन्हें इस उम्र में ऐसे कपड़े न पहने की सलाह दे रहे हैं तो हीं कुछ लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। तारीफ करने वाले लोगों की लिस्ट में आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान भी हैं जिन्होंने फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा है, ‘वाह जी वाह’। देखें वीडियो। वर्क फ्रंट की बात करें तो नीना इन दिनो अपकमिंग फिल्म ‘गुडबाय’ की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में एक्ट्रेस अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना के साथ नजर आने वाली हैं।

दिलीप कुमार की मौत के 1 महीने बाद बिगड़ी सायरा बानो की तबीयत, एक्ट्रेस हुई आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदी सिनेमा की मशहूर अदाकारा सायरा बानो के फैंस के लिए बुरी खबर है। दिग्गज अभिनेत्री को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्हें आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। सायरा बानो हिंदी सिनेमा के ट्रेजेडी किंग दिलीप कुमार की पत्नी हैं। दिलीप कुमार का इसी साल जुलाई में इंतकाल हो गया था। इसके बाद से सायरा बानो खबरों से दूर हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई की खबर के अनुसार दिलीप कुमार के इंतकाल के बाद से सायरा बानो की तबीयत नासाज चल रही है। बुधवार तबीयत में सुधार न होने के

चलते 1 सिंतबर को उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सायरा बानो को ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन लेवल भी कम की परेशानी के चलते अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अभिनेत्री को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। वहीं सायरा बानो की तबीयत का पता चलते ही फैंस और उनके चाहने वाले उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। आपको बता दें कि बीती 7 जुलाई को दिलीप कुमार का निधन हो गया था। वह 98 साल के थे। उनके निधन के बाद से सायरा बानो भावनात्मक रूप से टूट गई हैं। दिलीप कुमार के निधन के बाद सायरा बानो ने कहा था कि उनसे जीने का कारण छीन लिया गया है। यह बात सायरा बानो ने दिलीप कुमार के डॉक्टर से कही थी, जब डॉक्टर ने उन्हें दिलीप कुमार के निधन के बारे में बताया था। दिलीप कुमार का इंतकाल मुंबई के हिंदूजा अस्पताल में 98 वर्ष की आयु में हुआ है। वह लंबे समय से बीमार थे। इससे पहले भी दिलीप कुमार अक्सर बीमार पड़ते थे तो सायरा बानो ही उनको संभालती थीं। उनकी सेहत और तबीयत के बारे में भी वही जानकारी देती थीं। आपको बता दें कि सायरा बानो हिंदी सिनेमा की टॉप अभिनेत्रियों रही हैं। उन्होंने अपने लंबे फिल्मी करियर में कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया था और हिट फिल्में दी थीं। सायरा बानो ने हिंदी सिनेमा के ट्रेजेडी किंग दिलीप कुमार से शादी की। सायरा बानो का जन्म 23 अगस्त 1944 को उत्तराखंड के मसूरी में हुआ था। सायरा बानो ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत महज 16 साल की उम्र से कर दी थी। उनकी डेब्यू फिल्म साल 1961 में आई जंगली थी। इस फिल्म में सायरा बानो के साथ दिग्गज अभिनेता शम्मी कपूर मुख्य भूमिका में थे।

नेटफ्लिक्स पर आने से पहले फ्लॉप शो था ‘मनी हाइस्ट’

आज की तारीख में मनी हाइस्ट की लोकप्रियता को देखते हुए इस बात का यक ीन करना भी मुश्किल है कि कभी यह एक फ्लॉप शो था जो टीवी पर प्रसारित हुआ था मगर नेटफ्लिक्स के टेकओवर के बाद यह सबसे लोकप्रिय शोज में शामिल हो गया।

नई दिल्ली, एजेंसी। नेटफ्लिक्स पर 3 सितम्बर को मनी हाइस्ट सीजन 5 का पहला वॉल्यूम रिलीज किया जा रहा है। इस क्राइम शो ने दुनियाभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है और भारतीय दर्शकों के बीच भी इसका क्रेज कम नहीं है। इसीलिए शो के आखिरी सीजन के लिए फैंस की बेकरारी देखते ही बनती है। आज की तारीख में मनी हाइस्ट की लोकप्रियता को देखते हुए इस बात का यक ीन करना भी मुश्किल है कि कभी यह एक फ्लॉप शो था, जो टीवी पर प्रसारित हुआ था, मगर नेटफ्लिक्स के टेकओवर के बाद इस शो की किस्मत बदल गयी और यह सबसे लोकप्रिय शोज में शामिल हो गया। मनी हाइस्ट मूल रूप से स्पेनिश सीरीज है, मगर सीरीज को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए मनी हाइस्ट के नाम से जारी किया गया और यह नाम अब जबरदस्त लोकप्रिय हो चुका है। नेटफ्लिक्स ने अपने प्लेटफॉर्म पर शो की लोकप्रियता के बाद एक डॉक्यूमेंट्री रिलीज की थी, जिसमें इस शो के अर्श से फर्श तक के सफर के बारे में बताया था। मनी हाइस्ट- द फिनोमेना नाम से आयी इस डॉक्यूमेंट्री में बताया गया था कि 2017 में स्पेनिश टीवी चैनल एंटेना 3 पर प्रसारित

किया गया था। शुरूआत में शो को काफी लोकप्रियता मिली, मगर धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता घटती चली गयी और अंततः शो को फ्लॉप घोषित कर दिया गया। दूसरे सीजन के बाद शो को बंद करने का फैसला कर लिया गया था। बाद में नेटफ्लिक्स ने शो के राइट्स खरीद लिए और इसे रिवाइव करके इसे अपने प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद शो की कायापलट हो गयी और इसे खूब लोकप्रियता मिली। शो के तीसरे और चौथे सीजन बनाये गये। चौथा सीजन पिछले साल रिलीज किया गया था। मनी हाइस्ट की लोकप्रियता को देखते हुए नेटफ्लिक्स ने इसके पांचवें सीजन हिंदी में भी जारी किया है। इस क्राइम सीरीज का यह आखिरी सीजन है और दो भागों में रिलीज किया जा रहा है। सीजन 5 का दूसरा भाग वॉल्यूम 3 दिसम्बर को आएगा। वॉल्यूम एक और दो में पांच-पांच एपिसोड्स रखे गये हैं।

गले में मंगलसूत्र और ओपन टॉप में प्रियंका चोपड़ा का सीजलिंग फोटशूट चर्चा में, एक बार जो देखे हो जाएगा फिदा

प्रियंका इस समय अपने नये शो की शूटिंग कर रही हैं। अपने टफ और बिजी शिड्यूल के बावजूद प्रियंका फेंस के साथ सोशल मीडिया पर जुड़े रहने का एक भी मौका हाथ से जाने नहीं देती हैं। वह एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस ने हिंदी सिनेमा के साथ–साथ, साउथ सिनेमा और हॉलीवुड तक की फिल्मों में काम किया है। प्रियंका इस समय अपने नये शो सिटेडल की शूटिंग कर रही हैं। अपने टफ और बिजी शिड्यूल के बावजूद प्रियंका फैंस के साथ सोशल मीडिया पर जुड़े रहने का एक भी मौका हाथ से जाने नहीं देती हैं। वह एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने लुक्स और स्टाइल को लेकर फैंस के बीच सुर्खियों में रहती हैं। प्रियंका वेस्टर्न से लेकर इंडियन ड्रेस तक, हर ऑउटफिट में बेहद खूबसूरत लगती हैं। इसी बीच प्रियंका के लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें चर्चा में बनीं हुई हैं। इन तस्वीरों में उनका मंगलसूत्र काफी चर्चा में बना हुआ है। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में वोग मैग्जीन के लिए फोटोशूट कराया है। एक्ट्रेस वोग के सितंबर महीने की कवर गर्ल बनी हैं। फोटोशूट में आप देख सकते हैं कि वह रेड ऑउटफिट में काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। उनका लुक भी काफी अट्रैक्टिव लग रहा था। इस ड्रेस को गला वी शेप में दिया गया है। वेस्टलाइन पर इसे बिल्कुल फिटेड रखा गया था। वहीं उनके इस ड्रेस और लुक को प्रियंका का गले का मंगलसूत और भी खूबसूरत बना रहा है। उनका ये मंगलसूत्र काफी चर्चा में बना हुआ है। वहीं उनके मेकअप की बात करें तो प्रियंका के चेहरे पर सॉफ्ट शिमर के साथ ब्राउन शेड लिप्स्टिक यूज किया है। एक्ट्रेस ने अपने बालों को गीला रखते हुए हाफ-टाई में खुला छोड़ा था। आपको बता दें कि हाल ही में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की एक तस्वीर काफी सुर्खियों में रही। इस तस्वीर के चलते उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया गया था। इस फोटो में प्रियंका का परफेक्ट फिगर नजर आ रहा था। इस फोटो में दिख रहा था कि निक एक्ट्रेस के बम पर ब्रेकफास्ट करते दिख रहे थे। फोटो में प्रियंका ने रेड बॉटम के साथ ब्लैक बिकिनी टॉप पहना हुआ था। निक शर्टलेस हैं और उन्होंने काले रंग की स्विमिंग वियर पहन रखी थी। निक ने हाथ में एक कांटा और एक चाकू ले रखा था। वो इस दौरान प्रियंका के बट पर कुछ मस्ती करते दिख रहे थे।

मास्क न पहनने वालों से अनुष्का शर्मा की खास अपील, एक्ट्रेस ने कही ये बात

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस का खतरा अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। देश के कई हिस्सों में अभी भी लोग इस महामारी का शिकार हो रहे हैं। बावजूद इसके लोग कोरोना वायरस से बचने के लिए पूरे तरह से एहतियात नहीं बरत रहे हैं। अब भी बहुत से लोगों को बिना मास्क से घूमते हुए देखा जा सकता है। हाल ही में मुंबई पुलिस ने बिना मास्क घूमने वाले लोगों को लेकर सर्वे किया। इस सर्वे के रिजल्ट दिलदहला देने वाले निकले। ऐसे में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने लोगों ने ऐसी लापरवाही न करने की अपील की है। अनुष्का शर्मा फिलहाल बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि वह सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़े रहती हैं। अनुष्का शर्मा अपने फैंस के लिए खास तस्वीरें और वीडियो भी साझा करती रहती हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर मुंबई पुलिस के सर्वे की रिपोर्ट को साझा किया है। इस रिपोर्ट के साथ अनुष्का शर्मा ने मुंबई के लोगों से मास्क पहनने और लापरवाही न करने की अपील की है। दिग्गज अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, ‘मास्क पहल लो, दूसरों के बारे में भी सोच लो जरा।’ सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस

- **कोरोना वायरस का खतरा अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। देश के कई हिस्सों में अभी भी लोग इस महामारी का शिकार हो रहे हैं। बावजूद इसके लोग कोरोना वायरस से बचने के लिए पूरे तरह से एहतियात नहीं बरत रहे हैं।**

पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। गौरतलब है कि अनुष्का शर्मा इन दिनों पति क्रिकेटर विराट कोहली और बेटी वामिका के साथ लंदन में हैं। यहां वह वेकेशन मना रही हैं। अनुष्का शर्मा लंदन से अपनी खास तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। आपको बता दें कि अनुष्का शर्मा ने इसी साल जनवरी के महीने में बेटी वामिका को जन्म दिया है। बेटी के जन्म के बाद से ही अनुष्का और विराट काफी चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि इन दोनों ने अब तक बेटी वामिका का चेहरा अपने फैंस को नहीं दिखाया है। लेकिन हाल ही में बेटी के छह महीने के होने पर पोस्ट शेयर कर बेटी की हल्की-हल्की झलकियां दिखाई थीं।

दीपिका चिखलिया को खुद याद नहीं अनारकली वाला अपना यह अंदाज, वीडियो देख फैंस बोले- आप ईश्वर की खूबसूरत रचना हो

दीपिका ने रामायाण के अलावा बहुत सी फि ल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभायी थीं। ऐसा ही एक वीडियो उनके किसी फैन ने सोशल मीडिया में शेयर किया जिसे अब दीपिका ने पोस्ट किया है। इस वीडियो में दीपिका अनारकली वाले अंदाज में कव्वाली करते हुए नजर आ रही हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। रामायण में सीता का किरदार निभाकर घर-घर में पूज्यनीय हुई एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया लॉकडाउन के दौरान रामायण के दोबारा प्रसारण के बाद से सोशल मीडिया में काफी सक्रिय हैं और इंस्टाग्राम के जरिए अपने फैंस से निरंतर संवाद कायम रखती हैं। कभी पुरानी यादों तो कभी अपने परिवार और लाइफस्टाइल की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन पर फैंस खूब कमेंट करते हैं। हालांकि, फैंस के जहन में मां सीता ही बसी हैं। दीपिका ने रामायाण के अलावा बहुत सी फि ल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभायी थीं। ऐसा ही एक वीडियो उनके किसी फैन ने सोशल मीडिया में शेयर किया, जिसे अब दीपिका ने पोस्ट किया है। इस वीडियो में दीपिका अनारकली वाले अंदाज में कव्वाली करते हुए नजर आ रही हैं। इस वीडियो में आवाज नहीं है। यही वीडियो उन्होंने इंस्टा स्टोरी में भी पोस्ट किया है, जिसे एडिट किया गया है। दीपिका ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा- गुड मॉर्निंग। यह मेरी एक पुरानी फि ल्म की फुटेज है, जिसका नाम तक मुझे याद नहीं है। स्टोरी में देखिए मैंने फैन द्वारा संपादित वर्जऩ रखा है। वीडियो पर मुगले-आजम के गीत जब प्यार किया तो डरना क्या... को एडिट के जरिए लगा दिया गया है, जिस पर दीपिका के हाव-भाव और शारीरिक भाषा एकदम फिट हो रही है। ऐसा लग रहा है, जैसे जब प्यार किया तो डरना क्या गाने में अनारकली बनी दीपिका ही हैं। मगर, दिलचस्प बात यह है कि दीपिका को अपनी उस फि ल्म का नाम याद नहीं

है, जिसकी यह विंटेज क्लिप है। इस पोस्ट पर कई फैंस ने दिलचस्प कमेंट किये हैं। एक भावुक फैन ने लिखा- मैम, आप ईश्वर की सबसे खूबसूरत कृति हो। आपके बिना मेरा अस्तित्व ही नहीं है। मुझे प्रेरित करने के लिए शुक्रिया। एक अन्य फैन ने लिखा कि ऐसे ही आपको एक्सप्रेशन क्वीन और बेस्ट एक्ट्रेस टाइटल नहीं दे दिये हमने। आपने इन्हें कमाया है शानदार एक्टिंग और सिनेमा में योगदान के लिए। दीपिका ने बतौर एक्ट्रेस अपना करियर 1983 की फि ल्म सुन मेरी लैला फि ल्म से किया था। राज किरण उनके अपोज़िट थे। इसके बाद उन्होंने भगवान दादा, काला धंधा गोरे लोग, दूरी में सहयोगी किरदार निभाये। हॉरर फि ल्मों चीख और ‘रात के अंधेरे में’ में भी दीपिका नजर आयीं। मगर, 1987 में आयी रामानंद सागर की रामायण ने दीपिका को सीता के रोल में देशभर में लोकप्रिय कर दिया। 2019 में दीपिका आयुष्मान खुराना की फि ल्म बाला में यामी गौतम की मां के किरदार में नजर आयी थीं।

किया आडवाणी के टॉपलेस फोटोशूट पर मचा था बवाल, अब फोटोग्राफर डब्बू रतनानी ने दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के जाने माने सेलेब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी अबतक लगभग हर स्टार को अपने कैमरे में कैद कर चुके हैं। डब्बू रतनानी हर साल अपने कैलेंडर के लिए स्टार्स के ग्लैमरस फोटोशूट करते हैं। इस साल भी डब्बू ने अपने 2021 कैलेंडर के लिए कई स्टार्स के बोल्ड फोटशूट किए। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में रहा था कियारा आडवाणी का टॉपलेस फोटोशूट। इस फोटोशूट की वजह से काफी सुर्खियों में रही थीं। वहीं एक्ट्रेस को उनके टॉपलेस होने के लिए काफी ट्रोल भी किया गया था। यही नहीं डब्बू रतनानी के ऊपर इंटरनेशनल फोटोग्राफर मैरी बार्श को कॉपी करने का भी आरोप लगा था। बार्श ने महज एक स्क्रीनशॉर्ट शेयर करते हुए लिखा था कि ‘मैं बस इसे

यहीं छोड़ देती हूं’। वहीं अब एक इंटरव्यू में डब्बू रतनानी ने कियारा आडवाणी के टॉपलेस फोटोशूट पर खुलासा करते हुए सफाई दी है और बताया है कि वह फोटोशूट के लिए टॉपलेस नहीं हुई थीं। डब्बू रतनानी ने ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि साल 2021 कैलेंडर के लिए कियारा आडवाणी टॉपलेस नहीं गई थीं। उनका ये फोटाशूट मुंबई के एक होटल में किया गया था। लेकिन कियारा की तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा था किय वह टॉपलेस होकर शूट करा रही हैं। कियारा का ये फोटो ब्लैक एंड व्हाइट था। डब्बू रतनानी अपने इंटरव्यू में कहा कि एक ऐसा शॉट को थोड़ा सा क्रिएटव रखना चाहता था। वहीं मुझे लगा कि फेस पर सेक्सी लुक जाना काफी चीप लगाता।

बेटे टाइगर की परवरिश के लिए खुद को जिम्मेदार नहीं मानते जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा है कि बचपन से लेकर आज तक टाइगर श्रॉफ की परवरिश करने में उनका कोई भी योगदान नहीं रहा है। उनकी परवरिश के लिए जैकी श्रॉफ तीन मां को श्रेय देते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेटे अभिनेता टाइगर श्रॉफ की तारीफ करने के लिए कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। वह टाइगर श्रॉफ की अक्सर तारीफें करते रहते हैं। इन सबके बीच अब जैकी श्रॉफ ने कहा है कि बचपन से लेकर आज तक टाइगर श्रॉफ की परवरिश करने में उनका कोई भी योगदान नहीं रहा है। उनकी परवरिश के लिए जैकी श्रॉफ तीन मां को श्रेय देते हैं। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट इंडियन एक्सप्रेस से बात की। इस दौरान उन्होंने बेटे टाइगर श्रॉफ के नए घर से लेकर उनके संघर्ष के बारे में ढेर सारे खुलासे किए। जैकी श्रॉफ ने कहा है कि टाइगर की परवरिश करने में उनका कोई योगदान नहीं है। इसका श्रेय जैकी श्रॉफ ने पत्नी आयशा श्रॉफ और उनकी और अपनी मां को दिया है। दिग्गज अभिनेता ने कहा, ‘तीन देवियों ने उनकी (टाइगर श्रॉफ) परवरिश की है क्योंकि मैं हमेशा काम के लिए बाहर रहता था। मैं बस जब भी वापस आता तो उससे लाड़-प्यार करता था।’ जैकी श्रॉफ ने आगे कहा, ‘मुझे खुशी है कि मैंने उसे बिगाड़ नहीं। वह पूरी तरह से एक अलग प्लेन पर है, जिस तरह से वह अपने कला और फिटनेस के प्रति अनुशासित है। मैं उसके साथ काम को लेकर सीरियस बात नहीं करता। जब भी हम मिलते हैं, मैं उसके साथ किसी अन्य माता-पिता की तरह ही व्यवहार करता हूं। हम दोस्तों की तरह बात करते हैं। मैं बस उनके काम की तारीफ करता रहता हूं। भगवान और उनसे फैंस का धन्यवाद करता हूं कि वह आज जो कुछ भी हैं उनकी वजह से है।’ आपको बता दें कि टाइगर श्रॉफ और जैकी श्रॉफ अपने नए घर की वजह से सुर्खियों में हैं। टाइगर ने हाल ही में 8 बीएचके का मुंबई में घर खरीदा है। इस बात की जानकारी जैकी श्रॉफ और बहन कृष्णा ने दी थी। उनका पूरा परिवार अपने नए घर में शिफ्ट हो गया है। जबकि पहले जिस घर में टाइगर श्रॉफ का परिवार रह रहा था, वह किराए पर था। टाइगर श्रॉफ ने अपने परिवार के लिए वेस्ट मुंबई खार में एक नया सीफेसिंग घर लिया है। इस घर में टाइगर अपने मम्मी, पापा, मां और बहन के साथ रहेंगे। अभिनेता के इस घर में जिम, गेम रूम, स्वीमिंग पूल समेत कई सारी सुविधाएं मौजूद हैं। टाइगर के नए घर लेने से उनके पापा जैकी श्रॉफ बहुत खुश हैं। हालांकि उनका कहना है कि यह घर तो टाइगर ने अपनी मां को गिफ्ट किया है वह तो बस मुसाफिर हैं जो उनके साथ चल रहे हैं।

ओवल और मैनचेस्टर में होगी टीम इंडिया की परीक्षा

लंदन, एजेंसी। टीम इंडिया की मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में कड़ी परीक्षा होगी। इस सीरीज में अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से बाराबरी पर हैं। दोनो ही टीमों के बीच चौथा टेस्ट मैच गुरुवार से ओवल में खेला जाएगा। वहीं पांचवा टेस्ट मैनचेस्टर में खेल जाएगा। इन दोनो ही मैदानों पर भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। ओवल मैदान की बात की जाए तो टीम इंडिया ने यहां अब तक 13 टेस्ट खेले हैं। इसमें से टीम को केवल एक मैच में ही जीत मिली है, वहीं उसे पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा जबकि सात मुकाबले बराबरी पर रहे। इस मैदान पर खेले गए अंतिम तीनों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं भारतीय टीम पांचवां टेस्ट 10 सितंबर से मैनचेस्टर में खेलेगी। यहां का रिकॉर्ड भी टीम इंडिया के लिए अच्छा नहीं रहा है। भारतीय टीम ने यहां अब तक 9 टेस्ट खेले हैं। जिसमें से उसे एक मैं भी जीत नहीं मिली है। चार मैच वह हारी है जबकि पांच ड्रॉ रहे हैं। 2014 में खेले गए अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड ने टीम इंडिया को पारी और 54 रन से हराया था।

ओवल की बात करें तो साल 2018 में हुए टेस्ट मैच की पहली पारी में इंग्लैंड ने 332 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम 292 रन पर आउट हो गयी थी। तब रवींद्र जडेजा ने नाबाद 86, हनुमा विहारी ने 56 और कप्तान विराट कोहली ने 49 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 423 रन बनाकर घोषित की थी। इस तरह से भारत को 464 रन का विशाल लक्ष्य मिला था। इसके बाद कोहली, पुजारा और विहारी शून्य पर ही आउट हुए थे। धवन ने एक रन जबकि लोकेश राहुल ने 149 और ऋषभ पंत ने 114 रन की पारी खेलकर टीम को 345 रन तक पहुंचाया था। भारतीय टीम को अब इसी तरह का प्रदर्शन करना होगा। ओवल पर भारत की ओर से सबसे अधिक रन राहुल द्रविड़ के नाम हैं। द्रविड़ ने यहां दो शतक के साथ सबसे अधिक 443 रन बनाए हैं। ऋषभ पंत ने भी यहां एक शतक लगाया था पर विराट का प्रदर्शन यहां अच्छा नहीं रहा है। वह यहां 2 टेस्ट की 4 पारियों में 19 की औसत से सिर्फ 75 रन बना सके हैं जिसे अब वह बदलना चाहेंगे।

कनाडा पहुंचकर बोली अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटर, आईसीसी ने नहीं की सहायता

लंदन, एजेंसी। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में बदले हुए हालातों के कारण देश छोड़कर कनाडा पहुंची महिला क्रिकेटर परेशानी से गुजर रही हैं। इन क्रिकेटरों का कहना है कि इस कठिन समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी उनकी कोई सहायता नहीं की। अफगानिस्तान की एक क्रिकेटर रोया शमीम अपनी दो बहनों के साथ कनाडा में हैं। उन्होंने कहा कि सभी महिला खिलाड़ियों ने आईसीसी (आईसीसी) से सहायता मांगी पर कोई जवाब नहीं मिला। पिछले साल अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की ओर से 25 महिला खिलाड़ियों को केन्द्रीय अनुबंध दिया गया था पर अब तालिबान के आने से सब कुछ समाप्त हो गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार सभी महिला खिलाड़ियों ने आईसीसी से अपनी सुरक्षा को लेकर संपर्क किया था पर कोई जवाब नहीं आया। शमीम ने कहा, 'सभी खिलाड़ियों ने आईसीसी को मेल किया पर उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।' वहीं दूसरी ओर आईसीसी ने कहा कि उन्हें मदद को लेकर किसी तरह का मेल नहीं मिला है। साथ ही कहा कि हम अफगानिस्तान बोर्ड के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। शमीम और उनकी दो बहनें तालिबान के आने से पहले ही काबुल से निकल गई थीं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान छोड़ना मेरे लिए दुखद है। मेरा सबकुछ वहीं रह गया है। नौकरी, क्रिकेट, टीम की साथी खिलाड़ी, मेरा घर, मेरे रिश्तेदार, सबकुछ. मैं जब उस दिन को याद करूंगी तो रोने लगूंगी। साथ ही याद किया कि तालिबान जब पिछली बार सत्ता में आया था, तो उसने महिलाओं की पढ़ाई और काम करने पर रोक लगा दी थी। शमीम ने कहा कि तालिबान लड़कियों की पढ़ाई के खिलाफ हैं. ऐसे में वे हमें खेलने क्यों देंगे। रोया शमीम ने बताया कि उन्हें अपने साथी खिलाड़ियों की चिंता हो रही है। टीम की अन्य खिलाड़ी अभी अफगानिस्तान में हैं और डरी हुई हैं। वे घरों में कैद हैं। वे दुखी हैं और लोगों से मदद मांग रही हैं। वहीं अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अभी इंतजार करो की नीति पर चल रहा है। इससे पहले महिला फुटबॉल टीम भी ऑस्ट्रेलिया चली गयी थी। इसके अलावा भी कई खिलाड़ी अन्य देशों में चले गये हैं।

खबर एक नजर

टोक्यो पैरालंपिकः अववि मिश्रित एयर राइफल प्रोन फाइनल में 27वें स्थान पर रहीं

टोक्यो, एजेंसी। टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में भारत की स्वर्ण विजेता निशानेबाज अवनि लेखारा आर3 मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 में 27वें स्थान पर रहीं हैं। क्वालीफाइंग दौर से शीर्ष आठ निशानेबाजों ने ही फाइनल में प्रवेश किया। अवनि इसके क्वालीफाइंग दौर में केवल 629.7 ही बटोर सकी। इसी के साथ ही अवनि का दूसरे स्वर्ण जीतने का सपना टूटा गया। वहीं दक्षिण कोरिया की पार्क जिन-हो 638.9 अंक का पैरालंपिक रिकॉर्ड स्कोर बनाकर पहले स्थान पर रही जबकि जर्मनी की नताशा हिलट्रॉप 635.4 अंक के स्कोर के साथ ही दूसरे स्थान पर आईं। अवनी 105.9, 105.0, 104.9, 105.3, 104.2, 104.4 के स्कोर के साथ ही भारतीय प्रतियोगियों में नंबर एक पर रहीं। सिद्धार्थ बाबू 625.5 के स्कोर के साथ 40वें और दीपक 47 निशानेबाजों में 624.9 अंक के साथ ही 43वें स्थान पर रहे।

इंडिगो से एक साल तक मुफ्त हवाई यात्रा कर सकेंगे अवनि और सुमित

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अवनि लेखरा और भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल एक साल तक इंडिगो से मुफ्त हवाई यात्रा कर सकेंगे। इंडिगो एयरलाइन ने अपने एक बयान में कहा, 'टोक्यो पैरालम्पिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (स्टैंडिंग) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अवनि को सम्मानित करने के लिए कंपनी उन्हें मुफ्त हवाई यात्रा की सुविधा दे रही है।' वहीं सुमित ने पुरूषों के भालाफेंक में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता है, इसी लिए उन्हें भी यह सुविधा दी जा रही है। इस बयान में कहा गया कि दोनों खिलाड़ी एक सितंबर से अगले साल 31 अगस्त तक इंडिगो के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर जितनी बार चाहें मुफ्त में यात्रा कर सकेंगे। एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रनंजय दत्ता ने अवनि और सुमति की उपलब्धि को दृढ़ता और साहस की मिसाल बताते हुए कहा कि इससे लोगों को प्रेरणा मिलती है इसलिए हमें भी इन दोनो पर गर्व है।

जीत दर्ज करने विराट पर अंकुश लगाना होगा: रूट

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट ने कहा है कि भारत के खिलाफ बचे हुए दोनो मैचों के साथ ही सीरीज भी जीतने के लिए उनकी टीम को भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली पर अंकुश लगाना होगा। दोनो ही टीमें अभी इस सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। सीरीज का चौथा टेस्ट मैच गुरुवार से ओवल में शुरू हो रहा है। इस सीरीज में अब तक मेजबान इंग्लैंड टीम विराट को शांत रखने में सफल रही है। विराट ने अभी तक इस सीरीज में केवल एक अर्धशतक लगाया है और अन्य पारियों में वह शुरूआत में ही आउट हो गये थे।

रूट ने कहा, 'इसका श्रेय हमारे गेंदबाजी आक्रमण को जाता है जो विराट जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी को रन बनाने से रोकने में सफल रहे हैं। यह हमारे गेंदबाजी समूह का एक बहुत अच्छा प्रयास है और अगर हमें यह सीरीज जीतनी है तो हमें इसे जारी रखना होगा। हमने उसे आउट करने के तरीके खोजे हैं, वह एक अच्छा खिलाड़ी है और उसने टेस्ट क्रिकेट में अबतक शानदार प्रदर्शन किया है। हमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को आउट के तरीकों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि विराट के नेतृत्व वाली इस भारतीय टीम से उन्हें कड़ी प्रतिक्रिया की उम्मीद है। इसलिए हमें किसी प्रकार के भ्रम में नहीं रहते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार रहना चाहिये।

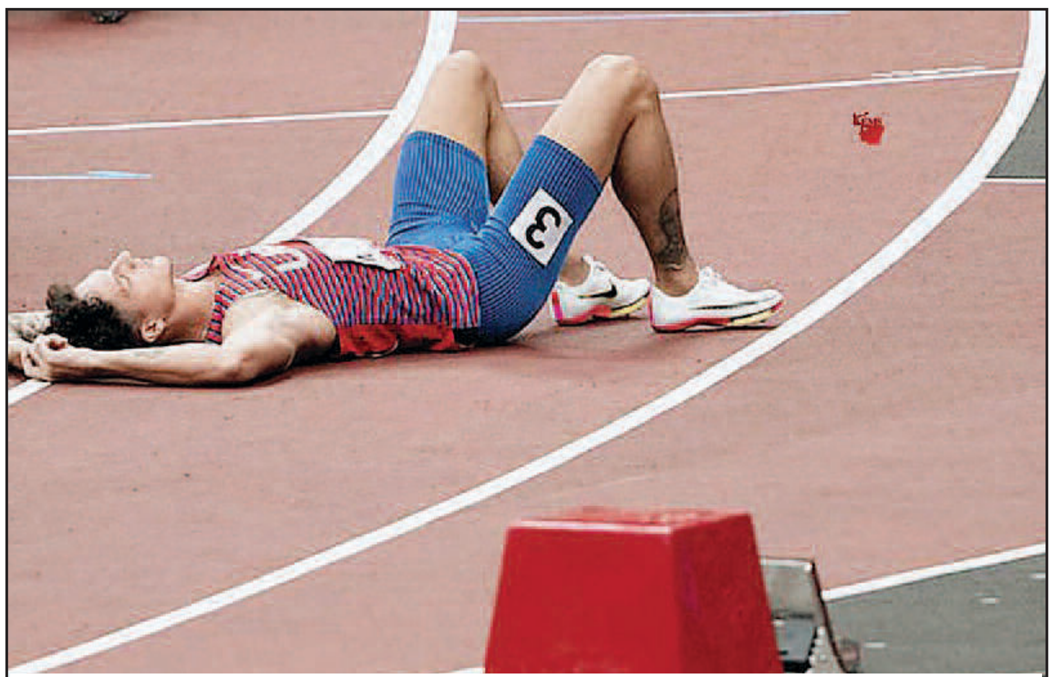

टीम यूएसए की एथलीट 400 मीटर में रजत मिलने के कारण निराश होकर ट्रेक पर ही लेट गयी।

चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में रहाणे का बाहर होना तय, रोहित होंगे उपकप्तान

ओवल, एजेंसी। टीम इंडिया गुरुवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के साथ शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। खराब फार्म से जूझ रहे उपकप्तान अजिंक्य रहाणे को भी शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले। ऐसे में उपकप्तानी की जिम्मेदारी रोहित शर्मा को मिलना तय है। पांच मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबर है। इस सीरीज मे अब तक खेली अपनी पांच पारियों में रहाणे प्रभावित नहीं कर पाये हैं और केवल एक बार ही अर्धशतक लगा पाये। पांच पारियों में वह कुल 95 रन ही बना पाये हैं। नॉटिंघम में हुए पहले टेस्ट में उन्होंने 5 रन बनाए थे। इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में रहाणे ने 1 और 61 रन बनाये। वहीं तीसरे टेस्ट की दोनों पारियों की बात की जाए तो वह सिर्फ 18 और 10 रन बना सके। ऐसे में उनकी जगह किसी अन्य बल्लेबाज को शामिल किया जा सकता है। रोहित टीम के अनुभवी बल्लेबाज होने के साथ ही अपनी कप्तान में कई बार टीम को खिताब जिताने में सपफल रहे हैं। ऐसे में उपकप्तान के लिए वह एकमात्र दावेदार हैं।

रहाणे के अलावा चेतेश्वर पुजारा और कप्तान विराट कोहली भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं पर तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में पुजारा ने संघर्षपूर्ण 91 रन बनाकर चौथे टेस्ट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। रहाणे की जगह चौथे टेस्ट में सूर्यकुमार यादव को बल्लेबाजी का अवसर मिल सकता है। इस मैदान पर स्पिनरों को अच्छी सफलता मिली है। ऐसे में यहां रवींद्र जडेजा के अलावा आर अश्विन को भी टीम में जगह मिल सकती है, पर तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को आराम दिया जा सकता है। जडेजा के खेलने का फैसला उनकी फिटनेस के आधार पर होगा।

बारिश नहीं होती तो स्वर्ण जीतताः मरियप्पन

टोक्यो, एजेंसी। भारत के मरियप्पन थंगावेलु टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने से निराश हैं। ऊंची कूद में रजत जीतने वाले थंगावेलु ने कहा है कि अगर बारिश नहीं हुई होती तो वह स्वर्ण पदक जीत जाते। थंगावेलु ने कहा है कि बारिश के कारण उनके हाथ से स्वर्ण जीतने का अवसर निकल गया। इस खिलाड़ी के अनुसार मोजे गीले होने के कारण ही वह टी42 स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए। 1.86 मीटर की कूद लगाने के बाद मरियप्पन और सैम ग्रेव दोनों को 1.88 मीटर कूदने में परेशानी आई पर अमेरिकी खिलाड़ी ने आखिरी प्रयास में सफलता हासिल करके स्वर्ण पर कब्जा कर लिया। वहीं भारतीय खिलाड़ी को रजत ही मिल पाया।

गौरतलब है कि तमिलनाडु के सेलम जिले के पेरियावाडागामपट्टी गांव के रहने वाले मरियप्पन ने रियो पैरालम्पिक खेलों में 1.89 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने रजत पदक जीतने के बाद कहा कि मैं विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत सकता था। मैं उसी लक्ष्य के साथ यहां आया था पर बारिश से मामला बिगड़ गया। शुरूआत में बूंदाबांदी हो रही थी पर 1.80 मीटर मार्क के बाद तेज बारिश होने लगी। मेरे दूसरे पैर (दाहिना पैर) का मोजा गीला हो गया और इससे कूदना कठिन हो गया था। वहीं अब मेरा लक्ष्य साल 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा।

इंग्लैंड के सहायक कोच पॉल कोलिंगवुड ने माना भारतीय टीम वापसी में सक्षम

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के सहायक कोच पॉल कोलिंगवुड ने कहा है कि गुरुवार से यहां शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट में उनकी टीम भारत से मुकाबले के लिए तैयार है। कोलिंगवुड ने कहा कि हमारी टीम ने तीसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी कर जिस प्रकार जीत दर्ज की है। वैसा ही प्रदर्शन हम आगे भी करते रहेंगे। कोलिंगवुड ने माना है कि भारतीय टीम वापसी में सक्षम है, इसलिए हम उसी हिसाब से तैयारियां कर रहे हैं।

मेजबान टीम के कोच ने कहा कि ओवल में नये हालातों में उनकी टीम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट खेलने वाले कोलिंगवुड से जब यह पूछा गया कि मैदानी आक्रामकता को लेकर क्या यह भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरह है तो उन्होंने कहा कि वे दोनों ही टीमों विरोधी को कोई मौका नहीं देना चाहती। जब दो ऐसी टीमें आमने सामने होती हैं जहां क्रिकेट काफी मायने रखता तब मुकाबला रोमांचक होता है, खिलाड़ियों के समूह के लिए जीतना काफी मायने रखता है। उन्होंने कहा कि लार्ड्स टेस्ट का परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा पर मैच के दौरान हमारे जज्बे और प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी। दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर थी पर मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का क्रिकेट खेलने का तरीका बदला है। इसलिए यह कहना कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तरह है सही नहीं होगा।

एलिसिया ने सबसे तेज सर्विस का रिकार्ड बनाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एलिसिया पार्क्स ने अमेरिकी ओपन टेनिस में सबसे तेज सर्विस का रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही एलिसिया का नाम अमेरिकी ओपन की रिकार्ड पुस्तिका में भी आ गया है। 20 वर्षीय एलिसिया ने फ्लाशिंग मीडोज के कोर्ट नंबर 13 पर ओल्गा डानिलोविच के खिलाफ पहले दौर के मैच के दौरान 129 मील प्रति घंटे की गति से सर्विस की। इस तरह से उन्होंने सबसे तेज सर्विस करने के अमेरिकी खिलाड़ी वीनस विलियम्स के 14 साल पहले बनाए गए रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। डानिलोविच ने यह मैच 6-3, 7-5 से अपने नाम किया। अटलांटा की रहने वाली और छह फुट एक इंच लंबी एलिसिया के करियर का किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रा में यह पहला मैच था। वहीं वीनस ने 14 साल पहले साल 2007 में अमेरिकी ओपन के पहले दौर के मैच में सबसे तेज सर्विस का रिकार्ड बनाया था।

विराट के समर्थन में आये नेहरा, तकनीक बदलने की जरुरत नहीं

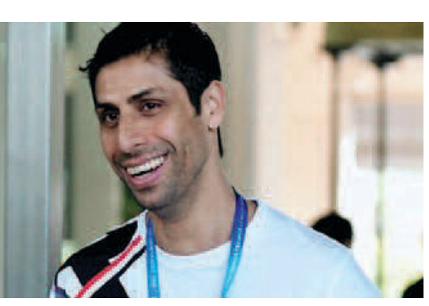

मुम्बई, एजेंसी। खराब बल्लेबाजी के कारण आलोचना झेल रहे टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के बचाव में पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा आये हैं। नेहरा ने कहा है कि विराट जल्द ही बड़ी पारी खेलेंगे। साथ ही कहा कि उसे एकदम से अपनी तकनीक में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा कि विराट की तकनीक में कोई कमी नहीं है। कोहली इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में केवल एक बार ही अर्धशतक बना पाये हैं। वह लगातार ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों का शिकार बन रहे हैं।

नेहरा से जब ये सवाल पूछा गया कि क्या कोहली को पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर की सलाह पर ध्यान देना चाहिए। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'सबसे पहली बात तो यह है कि विराट जैसे खिलाड़ी अपना खेल जानतें हैं, इसलिए वो यहां पर है। वो उन्हीं हालातों में सफल रहे हैं। वहीं जब आप इंग्लैंड के हालातों के बारे में बात करते हैं तो हर कोई जानता है वे आसान नहीं हैं। इससे पहले गावस्कर ने कहा था कि वह अपनी बल्लेबाजी ठीक करने के लिए सचिन तेंदुलकर से बात करें।'

इससे पहले गावस्कर ने इंग्लैंड के खिलाफ कोहली के प्रदर्शन को देखते हुए कहा था कि उन्हें तेंदुलकर के साल 2004 के सिडनी दोहरे शतक से सीखना चाहिए, जब तेंदुलकर ने एक भी ऑफ-ड्राइव नहीं किया था। नेहरा ने कहा, 'ये ध्यान देने वाली बात है कि विराट हर बार ड्राइव करते हुए आउट नहीं हुए हैं। कई बार डिफेंस करते हुए भी वह आउट हुए हैं। इसलिए ऐसा नहीं है कि वह जबरदस्ती ड्राइव खेल रहे हैं।'

गावस्कर ने बताया विराट के आउट होने का कारण

लंदन, एजेंसी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की बल्लेबाजी में आई कमजोरी को दूर करने का तरीका खोज लिया है। विराट पिछले काफी समय से बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस सीरीज के तीन टेस्ट मैचों में वह अभी तक केवल एक बार अर्धशतक ही लगा पाये हैं। शतक की बात करें तो कोहली ने आखिरी शतक नवंबर 2019 में लगाया था। यह देखने में आया है कि विराट अच्छी शुरूआत को शतक में बदल नहीं पा रहे हैं। गावस्कर ने अब इसका कारण बताते हुए इस कमी को दूर करने का उपाय भी विराट को बताया है।

सीरीज में कमेंट्री कर रहे गावस्कर ने कहा कि कई लोग कोहली के ऑफ स्टंप की लाइन में खड़े होने या उनके क्रीज से आगे खड़े होने को उनके आउट होने की वजह बता रहे हैं, जो सही नहीं लगती क्योंकि कोहली ने इसी लाइन पर खेलते हुए हजारों रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा, 'कोहली गेंद को करीब आने देने की बजाय उस तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। वे बार-बार गेंद को दूर से खेल रहे हैं। अपने बल्ले को गेंद की ओर दूर धकेल रहे हैं। इसी कारण गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर या स्लिप में जा रही है। इसी कारण वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं।

गावस्कर ने कहा, 'कोहली की खूबी गेंद को शरीर के करीब से खेलना रही है। उन्होंने ज्यादातर रन इसी तरीके से बनाए हैं। अगर आप अपनी स्टाइल में खेलते हुए आउट हो जाते हैं तो भी कोई बुराई नहीं है।' कोई भी बल्लेबाज शॉट खेलता है और मिस भी करता है पर दूर की गेंद को छेड़ककर आउट होना तो कमी मानी जाएगी और इसे दूर करना जरूरी है. उनके लिए यही बेहतर होगा कि वे दूर की गेंद को छोड़ दें।'

छोटे-छोटे क्षेत्रों से भी विजेताओं के निकलने से उत्साहित हैं प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलिंपिक और पैरालिंपिक खेलों में देश के अलग-अलग राज्यों और छोटे-छोटे क्षेत्रों के खिलाड़ियों को मिल रही सफलता से उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने इसे एक सकारात्मक संकेत बताया है। मोदी ने टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक जीतने वाले एथलीट मरियप्पन थंगावेलु और शरद कुमार को बधाई देने के दौरान यह बात कही। टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में भारत ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 पदक जीते हैं। दोनो ही खिलाड़ियों से कहा कि ये पदक उनकी लगातार कड़ी मेहनत का ही परिणाम हैं। इस दौरान शरद ने प्रधानमंत्री से कहा कि वह उनसे प्रेरित हैं जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया है उसका भी अच्छा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब वह उक्रेन में अभ्यास कर रहे थे तो भी प्रधानमंत्री उनसे हाल पूछते थे। चोटिल होने के बाद भी ऊंची कूद फाइनल में शरद के पदक जीतने के बाद मोदी ने ट्वीट किया था , ह्यआसानी से हार नहीं मानने वाले शरद कांस्य पदक जीतकर हर भारतीय के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी है। उनकी जीवनयात्रा से कइयों को प्रेरणा मिलेगी। उन्हें बधाई।' वहीं एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, 'नई ऊंचाइयों को छूते जा रहे थंगावेलु निरंतरता और उत्कृष्टता के परिचायक हैं। उन्हें रजत पदक जीतने पर बधाई। भारत को उनकी उपलब्धि पर गर्व है।' मोदी ने इससे पहले निशानेबाज सिंहराज अधाना से भी बात कर उन्हें पदक जीतने पर बधाई दी थी।